शुक्रवार
17 मई 2024

पृष्ठ 4

बार-बार सूख रहा है मुंह तो हल्के में न...

पृष्ठ 5

तृप्ति डिमरी ने ब्लैक गाउन में ढाया...

● देहरादून
● वर्ष 32
● अंक 107
● पृष्ठ 8
● मूल्य ₹ 1.00

आज का विचार

काम से ज़्यादा काम के पीछे निहित भावना का महत्व होता है।

डॉ. राजेंद्र प्रसाद

दूनवैलीमेल

सांध्य दैनिक
डीएवीपी से मान्यता प्राप्त
आर.एन.आई.- 59626/94
email: doonvalley_news@yahoo.com Website: dunvalleymail.com

मुख्यमंत्री धामी ने खुद संभाली यात्रा की कमान, बड़कोट पहुंचे

❑जबरदस्त चेकिंग से यात्री परेशान, बिना रजिस्ट्रेशन जाने वालों पर पूरी तरह से रोक

विशेष संवाददाता

देहरादून। चारधाम यात्रा की व्यवस्थाओं को पटरी पर लाने के लिए अब खुद मुख्यमंत्री मैदान में उतर गए हैं। बीते कल उन्होंने सभी विभागीय अधिकारियों को खुद फील्ड में जाने और बिना रजिस्ट्रेशन किसी भी यात्री को यात्रा पर न जाने देने के सख्त निर्देश दिए थे। आज हालात का जायजा लेने सीएम खुद बड़कोट यात्रियों के बीच पहुंचे और उनसे बातचीत की, वह दुकानदार और होटल व्यवसायियों से भी मिले।

धामों में क्षमता से अधिक यात्री न पहुंच पाए इसके लिए आज से जबरदस्त चेकिंग अभियान सभी चेक पोस्टों पर चलाए जा रहा है। बिना रजिस्ट्रेशन और बिना फिटनेस के साथ आने वाली यात्रियों व वाहनों को वापस भेजा जा रहा है। दून कूल्हान चेकपोस्ट पर आज बाहर से आने वाले ऐसे 10 वाहनों को आरटीओ विभाग के कर्मचारियों ने वापस लौटा दिया जिनके कागज वैध नहीं थे। वहीं सैकड़ो की संख्या में उन यात्रियों को वापस लौटाया गया जिनके ट्रप कार्ड

❑दो टूर ऑपरेटरों के खिलाफ मुकदमा दर्ज, जांच के कारण रुद्रप्रयाग में 5 किमी लंबा जाम

और स्लॉट अलाट अग्रिम तरीकों के थे और वह पहले ही यात्रा पर आ गए थे।

उधर उत्तरकाशी में चेकिंग के दौरान दो बसों को रोका गया जिनमें 80 यात्री सवार थे और वह हरिद्वार से यात्रा पर आये थे इन दोनों बसों के बारकोड चेक किए गए तो वह फर्जी पाए गए। यात्रियों से पूछताछ में पता चला कि दो टूर ऑपरेटर्स ने उनकी यात्रा के लिए बस उपलब्ध कराई थी। दोनों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है। वहीं रुद्रप्रयाग पुलिस और प्रशासन द्वारा सभी यात्री वाहनों व यात्रियों के रजिस्ट्रेशन व कागजात की गहन चेकिंग की जा रही है जिसके कारण यहां 5 किलोमीटर लंबा जाम लग गया जिससे यात्रियों को भारी परेशानी हो रही है।

उधर मुख्यमंत्री ने आज बड़कोट में जाकर खुद यात्रा का हाल जाना। यात्रियों व व्यवसायियों से वार्ता की और उन्हें एक-दो दिन में सभी हालात सामान्य होने का भरोसा दिलाया है। आज गंगोत्री हुआ यमुनोत्री धर्मों में 8 से 10 हजार के बीच यात्री पहुंचने की खबर है। सीएम का कहना है की हालत सामान्य होने तक वीआईपी दर्शनों पर लोग रोक लगी रहेगी।

रजिस्ट्रेशन बंद होने से यात्री हलकान

❑हजारों बिना दर्शन के घर लौटे
❑कुछ ट्रांजिट कैंपों में काट रहे हैं समय
❑सूचना न मिलने से बढ़ रही है दिक्कतें

विशेष संवाददाता

हरिद्वार/ऋषिकेश। देश के कोने-कोने से आए हजारों चार धाम यात्री ऑफलाइन रजिस्ट्रेशन बंद किए जाने से परेशान है। कुछ हताश और निराश होकर घरों को वापस लौट गए हैं तो कुछ हट करके जमे हुए हैं कि भगवान के दर्शन किए बिना वापस नहीं जाएंगे। लेकिन वह भी इसलिए परेशान है कि पता नहीं कब रजिस्ट्रेशन खुलेंगे और कब तक वह इंतजार करते रहेंगे।

व्यवस्थाएं चरमराने और धामों में भारी भीड़ जमा होने के बाद 14 मई को ऑफलाइन रजिस्ट्रेशन रोक दिए गए थे दो दिन 15-16 मई तक के लिए रोके गए रजिस्ट्रेशन की अवधि अब बढ़कर 19 मई कर दी गई है क्योंकि अभी हालात सामान्य नहीं हो सके हैं। ऑफलाइन रजिस्ट्रेशन बंद होने से यात्रियों के सामने धर्म संकट की स्थिति बनी हुई है क्योंकि बिना रजिस्ट्रेशन यात्रा पर जा नहीं सकते और रजिस्ट्रेशन कब हो सकेगा इसका पता नहीं। हजारों यात्री यह सोचकर वापस लौट गए कि कब तक यहां पड़े रहेंगे और जो बचे हैं वह ट्रांजिट कैंपों में डेरा डाले हुए हैं। लेकिन उनका भी कहना है कि यह कोई यात्रा है जो हम एक जगह चार दिन से पड़े हैं।

होटल और धर्मशालाओं में जगह नहीं है अगर है तो चार्ज इतना ज्यादा है कि आम आदमी की क्षमता से बाहर हैं। आमतौर पर सामान्य लोग एक तय बजट में ही यात्रा करने आते हैं। 10-20 हजार अतिरिक्त खर्च कर पाना

▶▶ शेष पृष्ठ 7 पर

'मैं चिल्लाती रही, वो मुझे लात-घूसों से मारता रहा'

नई दिल्ली। स्वाति मालीवाल से मारपीट मामले में बड़ा खुलासा हुआ है। एफआईआर कॉपी में स्वाति मालीवाल ने विभव कुमार की हिंसा के बारे में सबकुछ बता दिया है। स्वाति मालीवाल ने कहा है कि मैं चिल्लाती रही, वो मुझे मारता रहा। एफआईआर में लिखा है- सीएम केजरीवाल घर में मौजूद थे। मैं ड्रॉइंग रुम तक गई और वहां इंतजार कर रही थी। विभव आया। गालियां देने लगा। थप्पड़ मारा, मारता रहा। मैंने शोर मचाया कहा मुझे छोड़ दो जाने दो। लगातार मारता रहा और हिंदी में गंदी गालियां देता रहा। धमकियां देता रहा- देख लेंगे, निपटा देंगे। छाती पर मारा। चेहरे पर मारा। पेट पर मारा। शरीर के निचले हिस्से पर मारा। मैने कहा मैं पीरियड में हूं। बहुत पेन में हूं मुझे छोड़ दो। मैं भाग कर बाहर आई। बाहर आ कर पुलिस को फोन किया।श विभव कुमार के खिलाफ आईपीएस 354, 506, 509 और अन्य धाराओं के तहत केस दर्ज किया गया है। आपको बता दें कि आईपीसी 354 एक गैर-जमानती अपराध है, जिसका अर्थ है कि आरोपी को अदालत की अनुमति के बिना जमानत पर रिहा नहीं किया जा सकता है।

सीएम योगी से ट्यूशन लेना चाहिए कि कहां बुलडोजर चलाना है: मोदी

बाराबंकी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को दावा किया कि अगर समाजवादी पार्टी और कांग्रेस सत्ता में आईं तो अयोध्या में राम मंदिर पर बुलडोजर चलाएगी। इंडी गतबंधन के सहयोगियों पर तीखा कटाक्ष करते हुए उन्होंने आगे कहा कि उन्हें उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से ट्यूशन लेना चाहिए कि कहां बुलडोजर चलाना है। बाराबंकी में एक रैली को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने कहा, ष्अगर सपा और कांग्रेस सत्ता में आईं तो रामलला फिर तंबू में होंगे और राम मंदिर पर बुलडोजर चलवा देंगे। उन्हें योगी जी से ट्यूशन लेना चाहिए कि कहां बुलडोजर चलाना चाहिए और कहां नहीं। पीएम मोदी ने आगे कहा कि भाजपा के नेतृत्व

वाला राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन देश की भलाई के लिए काम कर रहा है, जबकि दूसरी ओर इंडी गुट गड़बड़ी पैदा कर रहा है।

पीएम मोदी ने कहा, जैसे-जैसे चुनाव आगे बढ़ रहे हैं, इंडी गठबंधन के सदस्य टूटने लगे हैं।ष पीएम मोदी ने कहा कि इंडी गठबंधन देश में अस्थिरता पैदा करने के लिए लोकसभा चुनाव मैदान में है। उन्होंने कहा कि बीजेपी लगातार तीन लोकसभा चुनाव जीतकर हैट्रिक लगाएगी। पीएम मोदी ने समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव पर तीखा कटाक्ष करते हुए कहा कि उन्हें ममता बनर्जी के रूप में नई बुआ मिल गई है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ये भी कहा, ष्समाजवादी युवराज (अखिलेश यादव) को नई बुआ (ममता बनर्जी) का आश्रय मिल गया है। ये नई बुआ बंगाल में हैं और इन आंटी ने इंडी गठबंधन से कहा है कि मैं आपका समर्थन करूंगी लेकिन बाहर से।ष अखिलेश यादव अपनी पूर्व सहयोगी बसपा प्रमुख मायावती को बुआ कहते हैं। पीएम मोदी ने दावा किया कि अयोध्या पर सुप्रीम कोर्ट के फैसले को पलटने की कांग्रेस की कथित योजना हकीकत बन सकती है।

दून वैली मेल

संपादकीय

जनता व सत्ता के बीच चुनाव

लोकसभा चुनाव के चार चरणों में 543 लोकसभा सीटों में से 379 सीटों के लिए मतदान संपन्न हो चुका है पांचवें चरण में 49 सीटों के लिए 20 मई को वोट डाले जाएंगे। वर्तमान लोकसभा चुनाव की शुरुआत में ऐसा लग रहा था कि यह चुनाव भी 2014 और 2019 की तरह एक तरफा ही रहने वाला है। सत्ताधारी एनडीए और भाजपा के नेताओं ने जिस तरह से सुनियोजित ढंग से अबकी बार 400 पार और चुनाव से ऐन पूर्व अर्धनिर्मित राम मंदिर में रामलला की मूर्ति स्थापना और प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम के जरिए राम लहर पैदा की गई उसे देखकर भले ही जानकार भी यह कहने लगे थे कि आएंगे तो मोदी ही, लेकिन मतदान के पहले चरण से राष्ट्रीय पटल पर ऐसी कुछ घटनाएं सामने आ गई कि हवा का रुख बदलना शुरू हो गया। जो अभी तक थमता नजर नहीं आ रहा है। इंडिया गठबंधन की जिन गांठो को जोड़ना सहयोगी दलों के नेताओं के लिए बड़ी मुश्किल बनता जा रहा था, कांग्रेस का 25 गारंटी वाला वह घोषणा पत्र आते ही ऐसा तहलका मचा कि सभी क्षेत्रीय छत्रप देखते ही देखते कांग्रेस के साथ कदमताल के लिए तैयार होते चले गए। राहुल गांधी की सामाजिक न्याय यात्रा जिसका आधार उसका घोषणा पत्र बना जिसे सामाजिक न्याय पत्र के नाम से लाया गया, विपक्ष के लिए जैसे एक संजीवनी बन गया। पटना के गांधी मैदान की रैली में उमड़ी भीड़ ने विपक्षी महत्वाकांक्षाओं को सिर्फ नए पंख ही नहीं लगाए बल्कि ऊंची उड़ान के हौसले पर ऐसा सवार कर दिया कि पूरे चुनाव की हवा का रुख बदल कर रख दिया। सत्ता को कटघरे में करने के सबूत मिलते गए और विपक्षी हावी होते चले गए। हालत यह हो गए कि चौथे चरण तक चुनाव आते-आते भाजपा को अपनी उपलब्धियों के मुद्दे और नारे भूल कर कांग्रेस के न्याय पत्र पर सवाल उठाने और अपनी जनसभाओं में लोगों को डराने पर बाध्य हो गये कि अगर कांग्रेस सत्ता में आ गई तो आपकी संपत्ति और जेवर यहां तक की मंगलसूत्र व भैंस भी छीन लेगी और मुसलमान को दे देगी। भाजपा के नेताओं द्वारा अब अपनी जनसभाओं में लोगों से पूछा जा रहा है कि क्या आप ऐसे लोगों के हाथों में देश की सत्ता देंगे इन नेताओं को यह भी समझ नहीं आ रहा है कि वह अपने भाषणों में जो कह रहे हैं उसका क्या मतलब है कांग्रेस ने खुद अपने न्याय पत्र का उतना प्रचार नहीं किया है जितना भाजपा नेताओं द्वारा किया गया है। वह जो जनता को भय दिखा रहे हैं वह उनकी अपनी संभावित हार का भय है। विपक्ष कोई नेता प्रधानमंत्री बनने लायक नहीं है या उनके पास पीएम मोदी का कोई भी विकल्प नहीं है जैसी बातें किया जाना इस बात का साफ संकेत है कि देश में सत्ता परिवर्तन होने जा रहा है और इसका अंदाजा भाजपा नेताओं को बखूबी हो चुका है। चुनाव के बाकी तीन चरण शेष बचे हैं और उसमें एनडीए या भाजपा के नेता कोई ऐसा करिश्मा कर पाने की स्थिति में नहीं है कि परिणाम को पलटा पाये। हार का डर अब नेताओं के भाषणों व उनकी बॉडी लैंग्वेज में दिखने लगा है। इस दौर में जो भी चुनावी सर्वे और विश्लेषण प्रचारित व प्रसारित किये जा रहे हैं उनमें अधिकांश प्रायोजित है। इस चुनाव में एनडीए व इंडिया गठबंधन के बीच अत्यंत ही कांटे का मुकाबला है। इंडिया गठबंधन भले ही बढ़त बनाती दिख रही है लेकिन हार जीत का फैसला बहुत ही कम अंतर से होने वाला है। दरअसल यह चुनाव विपक्ष ने जनता और सत्ता के बीच होने वाला चुनाव बना दिया है। और लोकतंत्र में जनता की हार नहीं हो सकती है। क्योंकि जनता की हार का मतलब लोकतंत्र की हार है।

दो दुपहिया वाहन चोरी

संवाददाता

देहरादून। चोरों ने दो स्थानों से दो दुपहिया वाहन चोरी कर लिये। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी। प्राप्त जानकारी के अनुसार सर्वप्रिया विहार निवासी देवेन्द्र नाथ ने रायपुर थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि वह बालावाला शिव मंदिर गया था। उसने मंदिर के पास ही अपनी एक्टिवा खडी कर दी थी लेकिन जब वह थोडी देर बाद वापस आया तो उसने देखा कि उसकी एक्टिवा अपने स्थान से गायब थी। वहीं राजीव नगर निवासी विकास ने डोईवाला कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि वह लालतप्पड पंजाबी होटल में गया था। उसने अपनी मोटरसाईकिल होटल के बाहर खडी की थी लेकिन जब वह थोडी देर बाद वापस आया तो उसकी मोटरसाईकिल अपने स्थान से गायब थी। पुलिस ने दोनों मुकदमें दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

पञ्च पदानि रुपो अन्वरोहं चतुष्पदीमन्वेमि व्रतेन।
अक्षरेण प्रति मिम एतामृतस्य नाभावधि सं पुनामि।।
(ऋग्वेद १०-१३-३)

मैं अपने शरीर, मन और बुद्धि के अनुशासन से पांचो कोषों (अन्नमय, प्राणमय, मनोमय, विज्ञानमय और आनंदमय) में स्थित होऊं। मैं जीवन के चार आश्रमों (ब्रह्मचर्य, गृहस्थ, वानप्रस्थ और संन्यास) का मुक्ति प्राप्ति तक अनुपालन करुं। ओ३म् से अपने को युक्त करूं और सृष्टि के नियम और ज्ञान के केंद्र परमेश्वर तक पहुंच जाऊं।

विकास मेरे शहर का !

पिछली स्याही का आगे का हिस्सा (भाग द्वितीय)

●नरेन्द्र कठैत

एक दौर में -इसी शहर में हमनें-एक दर्जन से भी अधिक संस्थाओं के बैनर देखे। इन संस्थाओं के अलग-अलग अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, सचिव, कोषाध्यक्ष, तकनीशियन, उद्घोषक, कॉमेडियन, जोकर, हेल्पर, मेकअप मैन, लाइट मैन, गायक, नर्तकों की फौज के साथ ही हर एक संस्था के अपने तबले, हारमोनियम थे। तब शहर के सभी 'विकास' इन संस्थाओं से कहीं न कहीं अवश्य जुड़े हुए थे। लेकिन अपनी मंजिल कोई न पा सके।

हालांकि कुछ सुर अभी भी सध रहे हैं। कुछ साजों के ताल अभी भी सुन रहे हैं। जो लगे हैं, वे लगे रहें। लेकिन विनोद पदरज की एक कविता की ये चारेक पंक्तियां 'हम' उस समय के नालायकों के लिए हैं- जो बीच राह से ही भाग खड़े हुए हैं। विनोद पदरज की पंक्तियां हैं कि - 'परदे फट गए/नगाड़े फूट गए/पोशाकें गल गई/मुकुट छलनी हो गए/सिवा गम के हारमोनियम के/सारे सुर दब गए।' लेकिन धन्यभाग समझो हमारे कि लोक गायक नरेन्द्र सिंह नेगी हम सबकी लाज रख गए। अन्यथा आज हम सभी के मां-बाप मरते दम तक यही कहते रहते कि- 'और बजाओ हारमोनियम-तबले!' नेगी जी एक और दूरदृष्टि या यूं कहें काबिले तारिफ का काम कर गए कि उन्होंने अपने पुत्र का नाम 'विकास' नहीं 'कविलास' रखा है।

कई लोग कहते हैं कि 'विकास' खफा इसलिए है कि उसे महंगी कार चाहिए। उसे गनर चाहिए, आगे पीछे हूटर चाहिए। जहां जाए उसे फूलों के हार चाहिए। विकास भवन, विकास मार्ग नाम रखने से उसका क्या भला होगा? बताओ कहां है विकास भवन में उसके बैठने की जगह? जिसका नाम विकास मार्ग रखा है उसको तो हर कोई अपनी ही चिंताओं के भार से कुचल रहा। बताओ है कोई जो विकास को पूछ रहा? इसलिए कहने का आशय यह है कि विकास को भी जन प्रतिनिधियों जैसे ही अधिकार चाहिए! लेकिन समस्या यह है कि विकास को कहां ढूंढे?

एक दिन मैं भी 'विकास' के बाप की चिंता को महसूस करते हुए सड़क से गुजर रहा था। तभी देखा एक सज्जन ने मेरे सामने ही बीच सड़क पर कूड़ा फैंक दिया। मैंने पहले उस कूड़े को आंख फाड़कर देखा और फिर उस सज्जन से कहा- 'भाई ये क्या?'

उसने उसी रौ में जवाब दिया- 'कूड़ा!'

-'लेकिन आपने कूड़ा बीच सड़क पर फैंक दिया।'

-'तो क्या?'

-'भाई गलत किया!'

-'किसने कहा?'

-'मैंने अपनी आंखों से देखा-आपने सड़क पर ये कूड़ा फैंका!'

-'हां फैंका!'

-'क्यों फैंका?'

-'ये काम नगर पालिका का!'

मैं असमंजस में पड़ गया। जहां था वहीं सोचता रह गया कि- 'ये कूड़ा डालने का काम नगर पालिका का था- या -कूड़ा उठाने का? या- सज्जन के जिम्मे ये दोनों काम हैं- पहले ये कूड़ा डालेगा और फिर उसे उठायेगा? या क्या इस सज्जन का कहने का आशय यह था कि- जो कूड़ा उसने बीच सड़क पर डाला उसे तो नगर पालिका झक मारकर उठायेगा?'

कई बार सोचता हूं ये शहर है या मजाक! लेकिन ध्यान रहे मैं अपने शहर को गाली नहीं दे रहा।

इस शहर में श्विकासश की बाट जोहते और पान चबाते-चबाते कई लोग स्वर्ग सिधार गए। एक बार कभी जमानों में इसी शहर में मैंने तीस पनवाड़ी गिने थे। वे पनवाड़ी शहर भर के विकासाचार्यों की चर्चाओं के केन्द्र थे। वे ही उनके हेड और गरमा-गरम बहस के दौरान रेफरी होते थे। वे कुछ को इधर और कुछ को उधर धकेल देते थे। ताकि डंडे न बरसें। कोर्ट कचहरी से बचें। क्योंकि तब विकासाचार्य होते ही ऐसे थे । मालूम ही नहीं होता था कि वे पान चबा रहे हैं या किसी का खून पी कर आ रहे हैं। अब अधिकतर स्वर्ग सिधार गए हैं। गिने चुने पनवाड़ी रह गए हैं। जो पनवाड़ी रह गए हैं वे पान और दुकान की सीमा जानते हैं। और जो पुराने विकासाचार्य रह गए हैं। वे कहते हैं भाई पान का शौक तो पूरा करते हैं लेकिन 'विकास' है नही तो किससे और क्यों चर्चा करें। जो पुराने पान के प्रतिष्ठान बंद हुए उनकी जगह किसी और वस्तु के प्रतिष्ठान खुल गए हैं। लेकिन आज भी वे पुराने पान के प्रतिष्ठान दिमाग से नहीं उतरे हैं।

एक घटना हुई। घटना का क्या? घटना कहीं भी हो सकती है। हम तो यहां तक कहते हैं कि आदमी घटनाओं के बल पर ही चलता है। वे लोग गलत हैं जो कहते हैं कि आदमी घुटनों के बल चलता है। घुटनों का क्या चलते-चलते आदमी के घुटने जवाब दे सकते हैं, हाथ-पांव सुन हो सकते हैं, आंखे-कान-नाक-मुंह बस बंद हो सकते हैं लेकिन घटना उसके साथ फिर भी चिपकी रहती हैं-जौंक सी। यहां तक कि घटना आदमी को मौत के बाद भी नहीं छोड़ती। मौत को घटना, दुर्घटना कहती है। और फिर आदमी को पोस्ट मार्टम के लिए छोड़ देती है।

कुल मिलाकर यदि कहें तो कह सकते हैं कि आदमी घटनाओं का गुलाम है। लेकिन ऐसा भी नहीं कि घटनाएं आदमी के चलने-फिरने के बाद ही होती है। घटनाएं तो आदमी के घुटनों के बल पर चलने से पहले से ही घटने लगती हैं। घटने शब्द का अर्थ आप घट जाना न समझ लें। यहां घटने का अर्थ घटने-बढ़ने वाले अर्थ से नहीं है। यहां घटना को आप एक बुनियाद मान लें जिसके ऊपर घटनाओं की इमारत बढ़ती जाती है। इसलिए एक ओर जहां आदमी घटनाओं का गुलाम है। वहीं दूसरी ओर आप ये मान लें कि बिना घटना के कोई भी काम नहीं हो सकते।

किंतु उस घटना से पहले एक और घटना सुन लें! पिछली शताब्दी के अंतिम दशक की किसी तिथि को गोपेश्वर शहर में एक वस्त्र भण्डार में बैठा था। एक नौ दस साल का ग्रामीण बालक नंगे पैर दुकान में दाखिल हुआ। बालक की मां दुकान के बाहर ही खड़ी रही।

बालक ने सीधे दुकानदार से गढ़वाली भाषा में पूछा- 'भैजी तुमारा यख कड़ै बि च?'(भाई तुमारे यहां कड़ाही भी है?)।

दुकानदार ने मंद-मंद मुस्कराते हुए जवाब दिया- 'ब्यटा य कपड़े दुकान च-लौखरै नी? '(बेटा ये कपड़े की दुकान है -लोहे की नहीं।)

उस बालक के बाहर निकलते ही दुकानदार मुझसे मुखातिब होकर बोले- 'भाई साहब इसमें बच्चे का दोष कहां है? पहाड़ में जगह-जगह 'विकास' रूका पड़ा है। इस बच्चे को क्या मालूम किस चीज को कहां से खरीदना है?

ये घटना पुरानी। लेकिन याद रही!

किंतु कुछ महीने पहले इसी घटना से मिलती जुलती एक घटना मेरे साथ -मेरे ही शहर में भी घटित हो गई। हुआ ये की! मैंने पूर्व के अंदाजे से ही एक दुकान के बाहर से कह दिया- 'भाई एक पान लगा दे?' उधर से जवाब सुना- 'भाई जी क्या कहा?'

मैंने आंख फाड़ गर्दन कुछ अन्दर डालकर देखा- अरे! ये तो बर्तन की दुकान है। तुरंत कहा- 'अरे भाई गुस्ताखी मुआफ करें! इस गली की ओर काफी लम्बे समय बाद कदम बढ़े हैं!'

उसके बाद बर्तन वाले ने जो शब्द कहे-वे भी याद हैं-' भाई जी! पान की दुकान बंद कर बर्तन की दुकान खोल बैठे। यही सोचकर की 'विकास' होगा तो बर्तन बिकेंगे। देख रहो आप! बाजार में दिखने भर की रौनक है। सारा व्यापार चौपट है। ये समझो सड़क पर आने की नौबत है।'

-'अरे भाई मेरे शब्दों को अन्यथा न लें। मजाक ही समझ लें!'

-'भाई जी! हमारे पास तो हंसी मजाक का भी समय नहीं है। दिन भर ग्राहकों के न आने से कुपित हैं। जो आ रहे हैं उन्हें भी झेल रहे हैं। अपनी ही चिंताओं के ताप से तपे हुए हैं।'

तो सुना आपने! ये पहाड़ पर एकमात्र ऐसा शहर है जहां समस्याओं से ज्यादा चिंताएं हैं। और हर कोई अपनी ही चिंताओं के ताप में तप रहे हैं।

बंधुओं ! इस शहर को कूड़ा डालने वालों, सड़क के मुंह पर थूकने वालों, सड़क के कलमठ बंद करने वालों, सड़क की कमर तोड़ने वालों, अतिक्रमण करने वालों-या सपाट शब्दों में सीधे क्यों न कह दें कि-पौड़ी में -किसी को भी-किसी से भी- कोई दिक्कत ही -नहीं है। लेकिन आश्चर्य है! फिर भी सब चिंतित हैं। सबकी जुबान पर एक ही रटा रटाया वाक्य है कि पौड़ी में 'विकास' क्यों नहीं है?

विकास यात्रा जारी है...

साभार: नरेन्द्र कठैत के फेसबुक पेज से

सोशल मीडिया प्लेटफार्मो पर निगरानी की कमी

प्रियंका सौरभ

मानव तस्करी में बल, धमकी या जबरदस्ती जैसे तरीकों का उपयोग करके व्यक्तियों को परिवहन करना, भर्ती करना, स्थानांतरित करना, आश्रय देना और प्राप्त करना शामिल हैं। इन कृत्यों और साधनों का अंतिम उद्देश्य इन व्यक्तियों का शोषण के उद्देश्य से उपयोग करना है। मानव तस्करी के मामले में भारत दुनिया के शीर्ष देशों में शामिल है। पश्चिम बंगाल मानव तस्करी का नया केंद्र बन कर उभरा है। भारत से पश्चिम एशिया, उत्तरी अमेरिका तथा यूरोपीय देशों में मानव तस्करी होती है। दुनिया भर में मानव तस्करी के पीड़ितों में एक-तिहाई बच्चे होते हैं। एक अनुमान के अनुसार पिछले एक दशक में बांग्लादेश से लगभग 5 लाख महिलाएं, लड़कियां और बच्चे अवैध रूप से भारत में लाए गए और यह संख्या साल-दर-साल बढ़ती जा रही है। यही कारण है कि पश्चिम बंगाल आज भारत का सबसे बड़ा सेक्स बाजार बनकर उभरा है। आंकड़े इस बात की गवाही देते हैं। देश भर के कोठों में देह व्यापार करने वाली जो लड़कियां रिहा कराई गई, उनमें प्रति 10 लड़कियों में से 7 उत्तरी और दक्षिणी 24 परगना से लाई जाती हैं। समाज के सबसे कमजोर वगरे में से एक, जो तस्करी के प्रति अधिक संवेदनशील है, युवा महिलाएं हैं, और ऐसा इसलिए है क्योंकि अधिकांश समाजों में सामाजिक और सांस्कृतिक रूप से महिलाओं को अवमूल्यन और अवांछित माना जाता है। उन जगहों, जहां उनका जीवन दयनीय है, से पलायन करने की इच्छा व्यक्तियों को तस्करों से संपर्क करने के लिए तैयार करती है जो शुरु आती चरणों में उन्हें बेहतर जीवन के वादे के साथ लुभाते हैं, लेकिन एक बार जब पीड़ित उनके नियंत्रण में आ जाते हैं, तो उन्हें झुकाने के लिए जबरदस्ती के उपाय लागू किए जाते हैं। अन्य कारण हैं सीमाओं की छिद्रपूर्ण प्रकृति, भ्रष्ट सरकारी अधिकारी, अंतरराष्ट्रीय संगठित आपराधिक समूहों या नेटवर्क की भागीदारी और सीमाओं को नियंत्रित करने के लिए आव्रजन और कानून प्रवर्तन अधिकारियों की सीमित क्षमता या प्रतिबद्धता। पिछले कुछ वर्षो में तस्करी का खतरा ड्रग सिंडिकेट के बराबर एक संगठित आपराधिक सिंडिकेट बन गया है। इसने पैसे और भ्रष्ट राजनेताओं की मदद से समाज में अपनी जड़ें गहरी जमा ली हैं। भारतीय कानूनी ढांचे में ठोस परिभाषाओं की कमी भी इस उद्देश्य में मदद नहीं करती है क्योंकि विभिन्न तस्कर कानूनी पणालियों में तकनीकी खामियों के आधार पर छूट जाते हैं। ठोस परिभाषाओं के बिना भी, कानून पर्याप्त होने चाहिए थे, लेकिन भारत में इन कानूनों के कार्यान्वयन में बहुत कुछ अधूरा रह गया है। सोशल मीडिया प्लेटफार्मो पर निगरानी की कमी ने तस्करों के लिए अपना व्यापार जारी रखने के लिए एक नया मंच खोल दिया है। तस्करी की समस्या पर डेटा अपर्याप्त हैं, इसलिए तस्करों के पैटर्न और कार्य तंत्र उतने स्पष्ट नहीं हैं, जितने होने चाहिए। यहां तक कि जब पीड़ितों को तस्करों से बरामद किया जाता है तो उनका पुनर्वास इस तरह से नहीं किया जाता कि वे दोबारा तस्करी का शिकार न हों। मानव तस्करी वर्तमान विश्व के सम्मुख उपस्थित कई बड़ी समस्याओं में से एक है। तमाम कोशिशों के बावजूद इसे रोक पाना संभव नहीं हो पा रहा है, और न केवल अल्प-विकसित तथा विकासशील देश, बल्कि विकसित राष्ट्र भी इस समस्या से अछूते नहीं हैं। मानव तस्करी भारत की भी प्रमुख समस्याओं में से एक है।

नंदिनी ने टॉपर अंकों से पास की हाई स्कूल की परीक्षा

संवाददाता

देहरादून। स्कॉलर होम स्कूल की नंदिनी ने टॉपर अंकों से हाईस्कूल की परीक्षा पास की। सीबीएसई हाईस्कूल व इंटर बोर्ड की परीक्षा का परिणाम घोषित हो गये हैं इसी में स्कॉलर होम जाखन की नंदिनी ने हाई स्कूल परीक्षा में 95.4 प्रतिशत अंक प्राप्त कर अपने माता पिता और स्कूल का नाम रोशन किया। उक्त परीक्षा नंदिनी ने बिना किसी टयूशन के स्वाध्याय के बल पर ये सफलता प्राप्त की जो अन्य विद्यार्थियों के लिए अनुकरणीय है।

पीडब्लूडी में नौकरी लगाने के नाम पर छात्र से ठगे साढे चार लाख रुपये

संवाददाता

देहरादून। छात्र को पीडब्लूडी में नौकरी लगाने के नाम पर साढे चार लाख रूपये की ठगी करने के मामले में पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी। प्राप्त जानकारी के अनुसार टिहरी गढवाल निवासी हरीश असवाल ने नेहरू कालोनी थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि वह यहां पर पढायी कर रहा है। उसकी पहचान ग्राम बैहमू चकराता निवासी सुन्दर सिंह से हुई। सुन्दर सिंह ने उससे कहा कि वह उसकी पीडब्लूडी में नौकरी लगवा देगा उसकी काफी पहचान है। वह उसकी बातो में आ गया और उसने नौकरी के नाम पर सुन्दर सिंह को चार लाख 45 हजार रूपये दिये लेकिन उसकी नौकरी नहीं लगी तो उसने उससे अपने पैसे वापस मांगे तो उसने अपना फोन बंद कर दिया है। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

अव्यव्यवस्थाओं के लिए जिम्मेदारों पर मुकदमा कायम करें बजाय पत्रकारों को डराने के: धस्माना

संवाददाता

देहरादून। कांग्रेस प्रदेश उपाध्यक्ष सूर्यकान्त धस्माना ने कहा कि सरकार बजाय अव्यवस्था को दुरुस्त करने के पत्रकारों पर रिपोर्टिंग करने के जुर्म में मुकदमे कायम किए जा रहे हैं जो लोकतंत्र में आवाज दबाने की कोशिश है जिसकी कांग्रेस कड़े शब्दों में निंदा करती है।

आज यहां यह बात अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के सदस्य व उत्तराखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के वरिष्ठ उपाध्यक्ष सूर्यकांत धस्माना ने प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय में आयोजित पत्रकार वार्ता करते हुए कहा कि उत्तराखंड की चार धाम यात्रा को शुरू हुए अभी एक सप्ताह हुआ है और एक दर्जन तीर्थ यात्री अपनी जान गवां चुके हैं, यमुनोत्री हो या गंगोत्री केदारनाथ हो या बद्रीनाथ यात्रा रूट सभी तरफ लंबे लंबे जाम लगे हैं और यात्री हल्कान हैं और सरकार बजाय अव्यवस्था को दुरुस्त करने के पत्रकारों पर रिपोर्टिंग करने के जुर्म में मुकदमे कायम किए जा रहे हैं जो लोकतंत्र में आवाज दबाने की कोशिश है जिसकी कांग्रेस कड़े शब्दों में

निंदा करती है। उन्होंने कहा कि फरवरी महीने से ही कांग्रेस राज्य सरकार से चार धाम यात्रा की व्यवस्थाओं को चाक चौबंद करने की मांग कर रही थी। उन्होंने कहा कि वे स्वयं इस मुद्दे पर प्रदेश के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी को सुझाव पत्र सौंप कर आए थे। धस्माना ने कहा कि अभी यात्रा का पीक जून तक आएगा जिसमें यात्रियों की संख्या में कई गुणा इजाफा हो सकता है ऐसे में अगर व्यवस्थाएं दुरुस्त नहीं हुईं तो कोई अनहोनी हो सकती है इसलिए सरकार को युद्ध स्तर पर यात्रा की व्यवस्थाओं को चाक चौबंद करना चाहिए।

धस्माना ने कहा कि कांग्रेस यात्रा के बारे में किसी प्रकार की नकारात्मक बात नहीं करना चाहती क्यूंकि यात्रा हमारे राज्य की आर्थिकी का बड़ा स्रोत है और इससे देश और दुनिया के करोड़ों करोड़ों सनातनियों की आस्था और विश्वास जुड़ा है लेकिन यात्रा में अव्यवस्थाओं से भी उन लोगों की भावना को ठेस पहुंचती है जो यहां अध्यात्म और भक्ति भाव से श्रद्धापूर्वक यात्रा के लिए आते हैं किंतु अव्यवस्थाओं का शिकार हो दुखी होते हैं। धस्माना ने कहा कि राज्य सरकार को बजाय पत्रकारों को धमकाने और उनके विरुद्ध झूठे मामले दर्ज कराने के यात्रियों के पंजीकरण, स्वास्थ्य परीक्षण व भोजन पानी और ठहरने की व्यवस्था तथा यातायात को सुचारू रखने के लिए फौरी कदम उठाने चाहिए।

निर्माणाधीन राजमार्ग बना ग्रामीणों की परेशानियों का सबब:मोर्चा

संवाददाता

विकासनगर। जन संघर्ष मोर्चा के अध्यक्ष रघुनाथ सिंह नेगी ने कहा कि निर्माणधीन राजमार्ग ग्रामीणों की परेशानियो का सबब बन गया है।

आज यहां बल्लूपुर-पांवटा राष्ट्रीय राजमार्ग के मध्य ग्राम बद्रीपुर के ग्रामीणों की परेशानियां के दृष्टिगत जन संघर्ष मोर्चा अध्यक्ष रघुनाथ सिंह नेगी ने ग्रामीणों के मध्य पहुंचकर राजमार्ग बनने से संबंधित परेशानियों को लेकर मौके पर ग्रामीणों द्वारा अवगत कराया गया कि निर्माणाधीन राजमार्ग की वजह से परशुराम चौक के अंडर पास व बरसाती पानी की निकासी एवं आवागमन के

समुचित प्रबंध न होने के कारण भविष्य में ग्रामीणों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है, जिसका समाधान बहुत जरूरी है। इसके अतिरिक्त ग्रामीणों ने बताया कि दिनभर धूल उड़ने की वजह से लोगों का जीना दुभर हो गया है। संबंधित ठेकेदार एक- आध बार पानी छिड़क कर इति श्री कर लेते हैं ,जोकि नाकाफी है। नेगी ने ग्रामीणों को आश्वासन दिया कि उनकी समस्या के संबंध में बहुत जल्दी ही संबंधित अधिकारियों को अवगत कराकर समाधान कराया जाएगा।

छिड़काव के संबंध में नेगी की राष्ट्रीय राजमार्ग के अधिकारियों से वार्ता हुई, जिसमें उन्होंने फ्रीक्वेंसी बढ़ाने हेतु आश्वासन दिया। मौके पर मोर्चा के महासचिव आकाश पंवार, विक्रम पाल सिंह, राजेंद्र सिंह,मान चंद राणा, वीर सिंह, मुन्ना राम, वीरेंद्र सिंह, भीम बहादुर, लूद्र सिंह नेगी, मित्र पाल, रतन सिंह, छत्रपाल सिंह, यशपाल सिंह, बलिराम, मुन्नाराम, डॉक्टर राजू व अन्य ग्रामीण उपस्थित थे।

गरीबों को उजाडने का आरोप लगाते हुए कम्युनिस्ट पार्टी ने किया प्रदर्शन

संवाददाता

देहरादून। अतिक्रमण के नाम पर गरीबों को उजाडने का आरोप लगाते हुए कम्युनिस्ट पार्टी कार्यकर्ताओं ने जिला मुख्यालय पर प्रदर्शन कर जिला अधिकारी के माध्यम से मुख्यमंत्री को ज्ञापन प्रेषित किया।

आज यहां भारत की कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी) के कार्यकर्ता अनंत आकाश के नेतृत्व में जिला मुख्यालय पहुंचे जहां पर उन्होंने प्रदर्शन कर जिलाधिकारी के माध्यम से मुख्यमंत्री को ज्ञापन प्रेषित किया। ज्ञापन में उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय हरित अधिकरण और उत्तराखण्ड उच्च न्यायालय से कुछ आदेश आये हैं। इन आदेशों को कारण बताते हुए मलिन बस्ती में रहने वाले लोगों को नगर निगम द्वारा जो नोटिस जारी किये गये उसमें स्पष्ट बस्तियों को उजाडने की बात हो रही है।

2016 में ही मलिन बस्तियों का नियमितीकरण और पुनर्वास के लिए अध्यादेश लागा गया था सरकार के नेताओं ने चुनाव लडते समय आश्वासन दिया

था कि मलिन बस्तियों को तुरन्त मालिकाना हक देंगे।

इस सन्दर्भ में जन आंदोलन होने के बाद 2018 में सरकार द्वारा अध्यादेश लाकर सरकार ने अध्यादेश की धारा 4 में ही लिख दिया कि तीन साल के अन्दर बस्तियों का नियमितीकरण या पुनर्वास होगा। जबकि वह अध्यादेश जून 2024 में खत्म होने वाला है लेकिन सरकार के द्वारा आज तक किसी भी बस्ती को मालिकाना हक नहीं मिला है ना ही कोई वैकल्पिक नीति इनके लिए नहीं बन पायी है। उन्होंने मांग की है कि सरकार अपने वादों के अनुसार तुरंत बेदखली की प्रक्रिया पर रोक लगाए इसके लिए सरकार अध्यादेश द्वारा कानूनी संशोधन करे या कोर्ट के आदेश के खिलाफ उच्चतम न्यायालय में जाये।

पशु के साथ भी हो गरिमापूर्ण व्यवहार

डॉ. सत्यवान सौरभ

पशु क्रूरता में जानवरों के साथ दुर्व्यवहार के जानबूझकर, दुर्भावनापूर्ण कार्य और कम स्पष्ट स्थितियां शामिल हैं, जहां किसी जानवर की जरूरतों की उपेक्षा की जाती है। जानवरों के खिलाफ हिंसा को आपराधिक हिंसा और घरेलू दुर्व्यवहार की उच्च संभावना से जोड़ा गया है। अनुच्छेद 21 में अधिकार केवल मनुष्यों को प्रदान किया गया है- लेकिन जीवन शब्द के विस्तारित अर्थ में अब बुनियादी पर्यावरण में गड़बड़ी के खिलाफ अधिकार शामिल है, इसका अर्थ यह होना चाहिए कि पशु जीवन के साथ भी आंतरिक मूल्य, सम्मान और गरिमा के साथ व्यवहार किया जाना चाहिए। इसमें कोई संदेह नहीं कि संविधान केवल मनुष्यों के अधिकारों की रक्षा करता है, लेकिन जीवन शब्द का अर्थ आज केवल अस्तित्व से कहीं अधिक समझा जाता है, इसका मतलब एक ऐसा अस्तित्व है जो हमें अन्य बातों के अलावा एक स्वच्छ और स्वस्थ वातावरण में रहने की अनुमति देता है।

दंड संहिता में संशोधन करके जानवरों को अनावश्यक दर्द या कष्ट देने और जानवरों को मारने या गंभीर रूप से दुर्व्यवहार करने के लिए सजा बढ़ा दी गई। इसमें क्रूरता के विभिन्न रूपों, अपवादों और किसी पीड़ित जानवर के खिलाफ कोई क्रूरता होने पर उसे मार डालने की चर्चा की गई है, ताकि उसे आगे की पीड़ा से राहत मिल सके। अधिनियम का विधायी इरादा जानवरों को अनावश्यक दर्द या पीड़ा पहुंचाने से रोकना है। भारतीय पशु कल्याण बोर्ड की स्थापना 1962 में अधिनियम की धारा 4 के तहत की गई थी। यह अधिनियम जानवरों पर अनावश्यक क्रूरता और पीड़ा पहुंचाने के लिए सजा का प्रावधान करता है। यह अधिनियम जानवरों और जानवरों के विभिन्न रूपों को परिभाषित करता है। पहले अपराध के मामले में, जुर्माना जो दस रुपये से कम नहीं होगा, लेकिन जो पचास रुपये तक बढ़ाया जा सकता है। पिछले अपराध के तीन साल के भीतर किए गए दूसरे या बाद के अपराध के मामले में जुर्माना पच्चीस रुपये से कम नहीं होगा। जिसे एक सौ रुपये तक बढ़ाया जा सकता है या तीन महीने तक की कैद या दोनों से दंडित किया जा सकता है। यह वैज्ञानिक उद्देश्यों के लिए जानवरों पर प्रयोग से संबंधित दिशा- निर्देश प्रदान करता है। यह अधिनियम प्रदर्शन करने वाले जानवरों की प्रदर्शनी और प्रदर्शन करने वाले जानवरों के खिलाफ किए गए अपराधों से संबंधित प्रावधानों को स्थापित करता है।

प्रतिशोध (किए गए अपराध का बदला लेने के लिए दी गई सजा) निवारण (अपराधी और आम जनता को भविष्य में ऐसे अपराध करने से रोकने के लिए दी गई सजा), सुधार या पुनर्वास (अपराधी के भविष्य के व्यवहार को सुधारने और आकार देने के लिए दी गई सजा) कानून का खराब कार्यान्वयन और इसके द्वारा निर्धारित कम दंड से पीसी अधिनियम अत्यंत अप्रभावी प्रतीत होता है। अधिनियम के तहत अधिकांश अपराध जमानती हैं (आरोपी अधिकार के तौर पर पुलिस से जमानत मांग सकता है) गैर-संज्ञेय जिसका अर्थ है कि पुलिस स्पष्ट अनुमति के बिना न तो प्रथम सूचना रिपोर्ट दर्ज कर सकती है और न ही जांच कर सकती है या गिरफ्तारी कर सकती है। पीसीए अधिनियम के तहत जुर्माने के रूप में निर्धारित राशि वही है जो इसके पूर्ववर्ती, पीसीए अधिनियम 1890 में निर्धारित है। जुर्माना महत्वहीन है (कई मामलों में 10 से कम) क्योंकि 130 से अधिक वर्षों में उनमें संशोधन नहीं हुआ है। कानून को इस तरह से लिखा गया है कि मामले से निपटने वाली अदालत को आरोपी पर कारावास या जुर्माना लगाने के बीच चयन करने का विवेक है।

यह पशु क्रूरता के अपराधियों को अधिकांश मामलों में केवल जुर्माना अदा करके पशु क्रूरता के सबसे क्रूर रूपों से बच निकलने की अनुमति देता है। कानून में स्वयं सामुदायिक सेवा के लिए कोई प्रावधान नहीं है जैसे कि सजा के रूप में पशु आश्रय में स्वयंसेवा करना, जो संभावित रूप से अपराधियों को सुधार सकता है। जानवरों के लिए पांच मौलिक स्वतंत्रताओं का समावेश, दंडों में वृद्धि और विभिन्न अपराधों के लिए जुर्माने के रूप में भुगतान की जाने वाली धनराशि, नए संज्ञेय अपराधों को जोड़ना, मसौदा विधेयक में पशु क्रूरता के मामले से निपटने वाली अदालत के लिए दो विकल्पों के रूप में कारावास और जुर्माने का प्रावधान जारी रखा गया है। पशुओं को मौलिक अधिकार स्पष्ट रूप से प्रदान किए गए हैं। अनुच्छेद 14 (समानता का अधिकार) और अनुच्छेद 21 (जीवन और व्यक्तिगत स्वतंत्रता का अधिकार) व्यक्तियों को दिए गए हैं। व्यक्ति का अर्थ है मनुष्य या मनुष्यों के संघ, जैसे निगम, साझेदारी, ट्रस्ट आदि अनुच्छेद 48 गायों, बछड़ों और अन्य दुधारू और माल ढोने वाले मवेशियों के वध पर रोक लगाना और उनकी नस्ल में सुधार करना, अनुच्छेद 48, पर्यावरण की रक्षा और सुधार तथा वनों और वन्यजीवों की सुरक्षा करना, पशु क्रूरता निवारण अधिनियम (पीसीए अधिनियम), 1960 जानवरों के प्रति क्रूरता का कारण बनने वाले कई प्रकार के कार्यों को अपराध मानता है। (ये लेखक के अपने विचार हैं)

वैधानिक सूचना

सुविज्ञ पाठकों से आग्रह है कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन में दिए गए तथ्यों, शर्तों और दावों के प्रति वह खुद भी आश्वस्त हो लें। पाठकों से आग्रह है कि वह प्रकाशित विज्ञापन से प्रभावित होकर कोई कदम उठाने से पहले अपने स्तर पर भी स्वयं के संतुष्ट होने तक संपूर्ण व्यावहारिक जानकारी कर लें। भविष्य में किसी भी प्रकाशित विज्ञापन व लेख में निहित दावों या शर्तों को लेकर पाठकगण को कोई असुविधा या परेशानी होती है तो *सांध्य दैनिक दून वैली मेल* के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की कोई जवाबदेही नहीं होगी।

–प्रबंधक विज्ञापन

बार-बार सूख रहा है मुंह तो हल्के में न लें, इन खतरनाक बीमारियों का हो सकता है लक्षण

गर्मी का मौसम चल रहा है। बार-बार पानी पीने के बावजूद भी मुंह सुख जा रहा है। अगर आपके साथ भी ऐसा है तो सावधान हो जाइए, क्योंकि ऐसा कई बीमारियों के कारण भी हो सकता है। दरअसल, पानी कम पीने की वजह से भी मुंह ड्राई (ष्ठह्य4 रूशह्वह्लद्ध) हो जाता है।जब मुंह में मौजूद सलाइवरी ग्लैंड सही तरह से काम नहीं करता तो यह कई परेशानियों का कारण बन सकता है। इसे जेरोस्टोमिया भी कहा जाता है। आइए जानते हैं मुंह सूखना सेहत के लिए क्यों खतरनाक है।

क्या कहते हैं एक्सपर्ट्स

हेल्थ एक्सपर्ट्स का कहना है कि यह एक ग्लैंड है, जो मुंह में लार बनाने और मुंह को गीला रखने का काम करती है। उम्र बढऩे के साथ अक्सर ये समस्या देखने को मिलती है। कुछ दवाईयों के साइड इफेक्ट्स या कैंसर रेडिएशन थेरेपी की वजह से भी यह समस्या हो सकती है।

ड्राई माउथ के लक्षण

गले में दर्द है

मुंह के अंदर ड्राइनेस

बैड स्मेल आना

चबाने या निगलने में दिक्कत

दांतों पर लिपस्टिक का चिपकना

मुंह सूखने का कारण

कई बुजुर्गों में यह समस्या काफी आम होती है। लंबे समय से बीमार और दवाईयों का सेवन करने की वजह से ऐसा हो सकता है।

न्यूट्रिशन की कमी और भरपूर पानी न पीने से भी ड्राई माउथ हो सकता है।

कई बार सिर या गर्दन में लगी कोई चोट या सर्जरी की वजह से भी ऐसा हो सकता है। ऐसा इसलिए क्योंकि सर्जरी या चोट से नर्व डैमेज हो जाता है और सलाइवरी ग्लैंड सही तरह काम नहीं कर पाता है।

डायबिटीज के मरीजों में भी ड्राई माउथ की समस्या हो सकती है, इसलिए मुंह बार-बार सूख रहा है तो तुरंत शुगर टेस्ट करवाना चाहिए।

मेंटल हेल्थ की बीमारी अल्जाइमर का भी ड्राई माउथ लक्षण हो सकता है।

स्ट्रोक, मुंह में यीस्ट इंफेक्शन या ऑटो इम्यून डिजीज में भी ड्राई माउथ की समस्या होती है।

ड्राई माउथ एचआईवी एड्स का भी लक्षण है, जब बार-बार मुंह सूखता है।

स्मोकिंग करते हैं या ज्यादा शराब पीते हैं तो मुंह सूखने की समस्या हो सकती है।

मुंह खोलकर सोने वालों में भी ड्राई माउथ की समस्या हो सकती है।

ड्राई माउथ होने पर क्या करें

अगर किसी को ड्राई माउथ यानी मुंह सूखने की समस्या हो रही है और लगातार बनी हुई है तो बिना किसी लापरवाही के डॉक्टर के पास जाना चाहिए। उनके बताई बातों का सही तरह पालन करें और लाइफस्टाइल-खानपान में बदलाव करें।

शब्द सामर्थ्य -81

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं :

1. अनुचित, असत्य, जो ठीक न हो 3. बेवजह, बिनाकारण, व्यर्थ 4. हल्कीनींद, चकमा, धोखा 6. शक्कर पानी आदि का मीठा घोल 10. सोते से उठाना, सावधान करना, प्रदीप्त करना 11. चरमसीमा, सीमांत 14. पानी, आंसू 15. बैठा हुआ, विराजित 16. नृत्य 17. मृतप्राय, मृत्यु के करीब 19. जल, अम्बु 22. उपहार, भेंट 23. खबर, संदेश।

ऊपर से नीचे

1. गणपतिजी, 2. मांगनेवाला, पाने की इच्छा करने वाला 3. मिट्टी के रंग का, मटमैला 5. चला आता हुआ क्रम प्रथा, प्रणाली, रीति-रीवाज, 7. निशाचर, रात में विचरण करने वाला 8. पेड़ का धड़ा जहां से शाखाएं निकलती है, 9. मिठाई, खाने की मीठी चीज 12. शासन, गुप्तबात 13. श्रद्धा, स्त्री, जयशंकर प्रसाद द्वारा रचित प्रसिद्ध महाकाव्य 15. विपत्तिग्रस्त, दुखी, अभागा 16. प्रसिद्ध, नामवर 18. स्वप्न, ख्वाब 20. करीब, नज़दीक, समीप 21. सुबह, प्रातः, सबेरा।

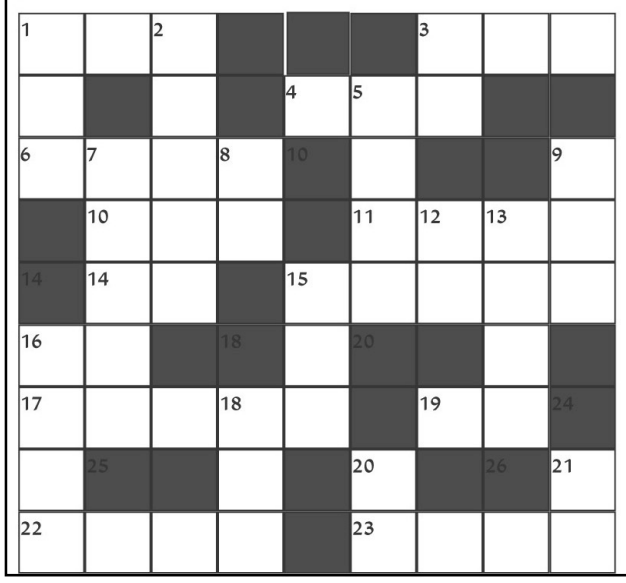

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 80 का हल

अ	भि	षे	क	■	प	स	■	■
जा	त	■	थ	प	थ	पा	ना	■
य	र	का	नी	■	भ्र	■	र	श्मि
ब	घा	र	■	क	ष्ट	प्र	द	■
■	त	ना	त	नी	■	र्व	■	ब
अ	■	मा	■	ज	मा	त	■	ल
स	जा	■	■	■	■	क	ज	रा
बा	■	बे	स	हा	रा	■	ग	म
ब	गु	ला	■	रा	ज	दू	त	■

कान फिल्म फेस्टिवल में 20 मई को लॉन्च होगा कन्नप्पा का टीजर

कन्नप्पा विष्णु मांचू की महत्वाकांक्षी परियोजना है। इस बहुप्रतीक्षित फिल्म को और खास बनाने के लिए विष्णु मांचू पूरी मेहनत कर रहे हैं। फिल्म में कई दिग्गज सितारों की महत्वपूर्ण भूमिकाएं हैं। विष्णु मांचू तेजी से अपनी फिल्म पर काम कर रहे हैं और लगातार बड़ी जानकारियां साझा कर रहे हैं। बीते दिन उन्होंने बताया था कि फिल्म से जुड़ी कोई बड़ी घोषणा करने वाले हैं, जिसके बाद से फैंस लगातार बड़े अपडेट पर नजरे टिकाएं बैठे थे। आखिरकार अब फैंस का इंतजार खत्म हो चुका है। फिल्म को लेकर विष्णु ने बड़ा एलान किया है।

निर्माताओं के जरिए दिए गए संकेत के बाद फैंस कयास लगा रहे थे कि वे आज प्रभास के किरदार का खुलासा करेंगे, लेकिन ऐसा नहीं हुआ, बल्कि उन्होंने फिल्म के बहुप्रतीक्षित टीजर को लेकर बड़ी घोषणा कर दी। विष्णु ने फिल्म का नया पोस्टर जारी करते हुए फिल्म के टीजर लॉन्च का खुलासा किया। उन्होंने बताया है कि कन्नप्पा का टीजर कान फिल्म फेस्टिवल 2024 में 20 मई को लॉन्च होगा।

फिल्म का नया पोस्टर और टीजर की तारीख साझा करते हुए विष्णु मांचू ने कैप्शन में लिखा, 20 मई को आप सभी को द वर्ल्ड ऑफ कन्नप्पा की एक झलक दिखाने के लिए इंतजार नहीं कर सकता। इसे कान्स फिल्म फेस्टिवल में लॉन्च किया जा रहा है। कन्नप्पा के टीजर की तारीख का खुलासा करने वाले भव्य पोस्टर में कन्नप्पा बने विष्णु को हाथ में एक भयंकर तलवार पकड़े हुए दिखाया गया है। तलवार का डिजाइन इस बात का खुलासा कर रहा है कि शिव का महान भक्त एक शिकारी था।

फिल्म से जुड़ी लगातार दिलचस्प जानकारियां देने के लिए निर्माता पोस्टर साझा कर रहे हैं। इससे इससे पहले विष्णु ने प्रभास के किरदार का एक पोस्टर भी साझा किया था और बताया था कि वे शूटिंग शुरू कर चुके हैं। विष्णु ने बताया था कि अक्षय ने शूटिंग पूरी कर ली है। साथ ही उन्होंने अक्षय के साथ फिल्म में काम करने का अनुभव भी साझा किया था और अक्षय के साथ अपनी तस्वीरें भी साझा की थीं। वहीं प्रभास के किरदार को लेकर खबर है कि वे फिल्म में कैमियो रोल निभाएंगे। प्रभास फिल्म में नंदी की भूमिका निभाते नजर आएंगे। कहा जा रहा है कि अक्षय कुमार फिल्म में भगवान शिव की भूमिका निभा रहे हैं और अफवाह है कि अनुष्का पार्वती की भूमिका निभाएंगी।(आरएनएस)

ममूटी की बहुप्रतीक्षित आगामी फिल्म टर्बो को मिली नई रिलीज डेट

ममूटी अभिनीत बहुप्रतीक्षित आगामी फिल्म टर्बो अपनी भव्य नाटकीय रिलीज के लिए तैयार है। यह फिल्म, जो मूल रूप से 13 जून, 2024 को बड़े पर्दे पर रिलीज होने वाली थी, अब जल्दी रिलीज होने के लिए तैयार है। हाल ही में, मुख्य अभिनेता ममूटी ने अपने आधिकारिक सोशल मीडिया हैंडल पर पुष्टि की कि टर्बो उम्मीद से पहले रिलीज होने के लिए तैयार है।

हिटमेकर वैसाख द्वारा निर्देशित बहुप्रतीक्षित परियोजना टर्बो अब 23 मई, 2024 को रिलीज होने वाली है। ममूटी अभिनीत फिल्म के निर्माताओं ने बड़ी संख्या में स्क्रीन के साथ एकल वैश्विक रिलीज सुनिश्चित करने के लिए फिल्म को उम्मीद से पहले रिलीज करने का फैसला किया। नवीनतम अपडेट से पता चलता है कि टीम ने टर्बो के लिए डबिंग और री-रिकॉर्डिंग सहित सभी प्रमुख पोस्ट-प्रोडक्शन कार्य पहले ही पूरा कर लिया है।

नया अपडेट मलयालम सिने प्रेमियों के लिए एक बड़े आश्चर्य के रूप में सामने आया, जो इस फिल्म का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। ममूटी अपने होम बैनर ममूटी कंपनी के तहत फिल्म का निर्माण भी कर रहे हैं। अभिनेता ने अपने आधिकारिक सोशल मीडिया हैंडल पर फिल्म के नए पोस्टर के साथ रोमांचक अपडेट साझा किया। उन्होंने लिखा, टर्बो मोड सक्रिय हो जाएगा....उम्मीद से जल्दी....टर्बो 23 मई से दुनिया भर में स्क्रीन पर धूम मचाएगा। पहले जैसा रोमांचित होने के लिए तैयार हो जाइए। हालिया अपडेट पर विश्वास किया जाए, तो निर्देशक वैसाख और उनकी टीम अब सक्रिय रूप से बहुप्रतीक्षित टर्बो टीजर पर काम कर रहे हैं, जो अपनी भव्य रिलीज के लिए तैयार है। चर्चा है कि निर्माता कुछ दिनों में फिल्म का टीजर जारी करने की योजना बना रहे हैं। ममूटी अभिनीत फिल्म का एक आधिकारिक ट्रेलर भी होगा, जिसके भव्य नाटकीय रिलीज से एक सप्ताह पहले रिलीज होने की उम्मीद है।(आरएनएस)

तृप्ति डिमरी ने ब्लैक गाउन में ढाया इंस्टाग्राम पर कहर

बॉलीवुड की उभरती हुई अभिनेत्री तृप्ति डिमरी इन दिनों सोशल मीडिया पर छाई हुई हैं. हाल ही में उन्होंने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर कुछ तस्वीरें शेयर की हैं, जिनमें वह बेहद खूबसूरत लग रही हैं. इन तस्वीरों में तृप्ति डिमरी एक ब्लैक थाई-हाई स्लिट गाउन पहने हुए नजर आ रही हैं. गाउन उनकी फिगर को बखूबी उभारता है और साथ ही हाई स्लिट उनके पैरों को और भी लंबा दिखा रहा है. उन्होंने लाइट मेकअप किया हुआ है, जो उनके नैचुरल लुक को हाइलाइट कर रहा है.

फैंस तृप्ति डिमरी की खूबसूरती की तारीफ करते हुए ढेरों कमेंट्स कर रहे हैं. कुछ का कहना है कि ब्लैक कलर तृप्ति डिमरी पर बहुत फबता है, तो वहीं कुछ उनके हॉट लुक की तारीफ कर रहे हैं. गौरतलब है कि तृप्ति डिमरी डिमरी फिल्म एनिमल से खासि ख्याति मिली है. संदीप रेड्डी वांगा की इस फिल्म में तृप्ति रणबीर कपूर के साथ नजर आई थीं.

ब्लॉकबस्टर फिल्म एनिमल में तृप्ति डिमरी ने छोटे, लेकिन रहस्यमयी किरदार में नजर आईं।अभिनेत्री जितनी देर भी पर्दे नजर आईं उन्होंने दर्शकों का खूब मनोरंजन किया। सभी ने उनके प्रदर्शन और अभिनय की जमकर तारीफ की।इस फिल्म में उनके दमदार प्रदर्शन ने उन्हें ना केवल प्रसिद्धि दिलाई, बल्कि कई अन्य प्रोजेक्ट्स भी दिलाए। यहां तक कि उन्हें नेशनल क्रश होने का खिताब भी मिला।ऐसे में इस सूची में उनका नाम आना तो बनता है।

जारी हुआ क्राइम थ्रिलर फिल्म डीएनए का फर्स्ट लुक पोस्टर

अथर्व के जन्मदिन के अवसर पर उनकी आगामी फिल्म के निर्माताओं ने फैंस को बड़ा तोहफा दिया है। निर्माताओं ने मुख्य जोड़ी, अथर्व और निमिषा सजयन के साथ फिल्म डीएनए का फर्स्ट-लुक पोस्टर जारी कर दिया है। दोनों कलाकार एक-दूसरे को गले लगते हुए बेहद कोमल मुद्रा में नजर आ रहे हैं, जबकि पोस्टर के दूसरे हिस्से में अथर्व का गुस्से वाला लुक देखने को मिला है। पोस्टर की थीम एक मजबूत क्राइम थ्रिलर की ओर इशारा करती है, जिसकी पृष्ठभूमि में एक प्रेम कहानी है।

कुल मिलाकर, दर्शक एक दिलचस्प क्राइम थ्रिलर का इंतजार कर रहे हैं। दिलचस्प बात यह है कि पोस्टर में एक टैगलाइन भी है जिसमें लिखा है, दो धागे एक-दूसरे के चारों ओर घूमकर एक मुड़ी हुई सीढ़ी बनाते हैं। पोस्टर और इसकी टैगलाइन ने प्रशंसकों के बीच उत्सुकता बढ़ा दी है। इस देखने के बाद दर्शकों के जहन में सवाल उठने लगा है कि क्या यह एक टेढ़ी-मेढ़ी बदले की कहानी है? या, जैसा कि शीर्षक से पता चलता है, क्या यह एक और मेडिकल क्राइम थ्रिलर है?

ओरु नाल कुथु, फरहाना और मॉन्स्टर फेम नेल्सन वेंकटेशन द्वारा लिखित और निर्देशित डीएनए को एक क्राइम थ्रिलर माना जा रहा है। फिल्म जयंती अंबेथकुमार द्वारा निर्मित है, जिन्होंने पहले 2023 की हिट कविन अभिनीत दादा का निर्माण किया था। निर्माताओं ने अभी तक बाकी कलाकारों की घोषणा नहीं की है। हालांकि, अभिनेता रमेश थिलक को फिल्म का हिस्सा बताया जा रहा है। तकनीकी मोर्चे पर, फिल्म की सिनेमैटोग्राफी पार्थिबन द्वारा और संपादन वीजे साबू जोसेफ द्वारा किया गया है। जल्द ही रिलीज डेट की घोषणा की जाएगी।

फिल्म के बारे में बात करते हुए, निर्देशक नेल्सन ने खुलासा किया कि अथर्व फिल्म में एक नए लुक में हैं। फिल्म निर्माता ने खुलासा किया, फिल्म में अथर्व एक नए लुक में नजर आएंगे, जो फिल्म के आश्चर्यों में से एक होगा। नेल्सन ने कहा, उनका किरदार थोड़ा अपरंपरागत है और कुछ ऐसा होगा जो हमने पहले अपनी फिल्मों में नहीं देखा है। उन्होंने यह भी बताया कि यह पहली बार है जब उन्होंने इस शैली में काम किया है।

मैं डेली लाइफ में मेकअप-फ्री रहना पसंद करती हूं : प्रियंका चाहर चौधरी

एक्ट्रेस प्रियंका चाहर चौधरी ने बताया कि वह केवल काम के वक्त ही मेकअप लगाती हैं, वरना वह अपने डेली लाइफ में पूरी तरह नेचुरल रहना पसंद करती हैं।

प्रियंका ने बताया, मैं हमेशा मेकअप में नहीं रहती। मैं मेकअप केवल तभी लगाती हूं जब मैं काम कर रही होती हूं।

एक्ट्रेस, जिन्होंने शो उड़ारियां से तेजो सिंह विर्क के रूप में सुर्खियां बटोरीं, ने खुलासा किया कि चाहे वह एयरपोर्ट हो या मॉल या मार्केट में, वह मेकअप-फ्री रहना पसंद करती हैं। उनके पास एक ब्यूटी हैक है। उन्होंने आगे कहा, मैं बस एक काम करती हूं, मैं थोड़ी सी लिपस्टिक लगाती हूं। उस लिपस्टिक को मैं अपने गाल, माथे और पलकों पर भी लगा लेती हूं, यह ब्लश जैसा दिखता है। पूरा मेकअप ऐसे ही किया जाता है।

अपनी ड्रेस चॉइस के बारे में बात करते हुए, प्रियंका ने कहा, आम तौर पर, मैं वेस्टर्न कपड़े पहनती हूं, जो मेरे लिए बहुत आरामदायक होते हैं। मुझे कुर्तियां भी बेहद पसंद हैं, वह भी बहुत आरामदायक हैं। आरामदायक कपड़े मेरा फैशन स्टेटमेंट हैं।

लैंगिक हिंसा की शिकार हर तीन में एक महिला

अमित बैजनाथ गर्ग

लिंग आधारित हिंसा किसी व्यक्ति के विरुद्ध उसके लिंग के कारण निर्देशित हिंसा है। वैसे तो महिला और पुरुष दोनों लिंग आधारित हिंसा का अनुभव करते हैं, लेकिन पीड़ितों में अधिकांश महिलाएं और लड़कियां होती हैं। लिंग आधारित हिंसा एक ऐसी घटना है, जो लैंगिक असमानता से गहराई से जुड़ी हुई है और सभी समाजों में सबसे प्रमुख मानवाधिकारों के उल्लंघनों में से एक है। यह मां के गर्भ से मृत्यु तक महिलाओं के पूरे जीवन चक्र में प्रकट होता है। लिंग आधारित हिंसा की कोई सामाजिक या आर्थिक पृष्ठभूमि नहीं होती तथा यह सभी सामाजिक और आर्थिक पृष्ठभूमि की महिलाओं और लड़कियों को प्रभावित करती है।

प्रत्येक लड़की और लड़के को जीवित रहने और आगे बढ़ने का समान अवसर मिलना चाहिए। बचपन विशेषज्ञ प्रत्येक बच्चे के लिए समान अधिकारों की वकालत कर रहे हैं। फिर भी बचपन से शुरू होने वाला लैंगिक भेदभाव बच्चों से भी उनका बचपन छीन रहा है और उनकी संभावनाओं को सीमित कर रहा है, जिसका दुनिया की लड़कियों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है। एक लड़की को उसके अधिकारों से वंचित किए जाने, स्कूल से रोके जाने, शादी के लिए मजबूर करने और हिंसा का शिकार होने की बहुत अधिक संभावना है। अगर उसकी बात सुनी भी जाती है तो उसे कम महत्व दिया जाता है। बचपन पर यह हमला राष्ट्रों को प्रगति के लिए आवश्यक ऊर्जा और प्रतिभा से भी वंचित करता है।

एक अनुमान के अनुसार परिवर्तन की वर्तमान दर पर लैंगिक समानता हासिल करने में अभी 200 साल से अधिक का समय लगेगा। लैंगिक समानता अभी सिर्फ अमेरिका में अस्वीकार्य है। हम सभी साथ मिलकर शुरू से ही एक अधिक समान दुनिया बना सकते हैं। हाल ही में जारी एक रिपोर्ट के मुताबिक, परंपरागत रूप से समाज में महिलाओं को कमजोर वर्ग के रूप में देखा जाता रहा है। वे घर और समाज दोनों जगहों पर शोषण, अपमान और भेदभाव से पीड़ित होती हैं। महिलाओं के खिलाफ भेदभाव दुनिया में हर जगह प्रचलित है। वैश्विक लैंगिक अंतराल सूचकांक 2023 में भारत 146 देशों में 127वें स्थान पर है। एक रिपोर्ट कहती है कि भारत में हर तीन में से एक महिला को अपने जीवनकाल में एक बार अपने साथी के हाथों हिंसा का सामना करना पड़ता है। मतलब अनगिनत महिलाएं कई बार इस पीड़ा से गुजरती हैं।

लैंगिक हिंसा एक वैश्विक महामारी है, जहां लगभग 27 प्रतिशत महिलाएं अपने जीवनकाल में कभी न कभी शारीरिक या यौन उत्पीड़न का सामना करती हैं। खासकर दक्षिण एशिया में अंतरंग साथी के हाथों आजीवन घरेलू हिंसा सहन करने के मामले वैश्विक औसत की तुलना में 35 प्रतिशत ज्यादा हैं। इसके लिए पितृ सत्तात्मक सामाजिक-आर्थिक व्यवस्था और रूढ़िगत परंपराएं जिम्मेदार हैं, जो लैंगिक भूमिकाओं को परिभाषित करती हैं। महिलाओं और लड़कियों के विरुद्ध की गई हिंसा का प्रभाव भावनात्मक स्तर पर काफी गहरा होता है और इसके कारण उन्हें अपनी सामाजिक, आर्थिक, शारीरिक, मानसिक और भावनात्मक जरूरतों में रुकावटों का सामना करना पड़ता है। दुखद पहलू यह भी है कि एक इंसान अपनी पूरी क्षमता का दोहन नहीं कर पाता। हिंसा पीड़ित लड़कियां और महिलाएं अक्सर शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार के मोर्चे पर पिछड़ जाती हैं और समाज में उनकी भागीदारी पर भी प्रभाव पड़ता है। महिलाओं के विरुद्ध हिंसा अर्थव्यवस्था के लिए भी घातक है। इसके चलते वैश्विक स्तर पर 15 खरब अमेरिकी डॉलर (वैश्विक जीडीपी का 2 प्रतिशत) का नुकसान उठाना पड़ता है। लिंग आधारित हिंसा के विभिन्न कारणों में सबसे महत्वपूर्ण सामाजिक, राजनीतिक और सांस्कृतिक कारण हैं। मसलन, भेदभावपूर्ण सामाजिक, सांस्कृतिक और धार्मिक कानून, मानदंड तथा व्यवहार, जो महिलाओं और लड़कियों को हाशिये पर रखते हैं और उनके अधिकारों को मान्यता प्रदान करने में विफल होते हैं। महिलाओं के खिलाफ हिंसा को सही ठहराने के लिए अक्सर लिंग संबंधी रूढ़ियों का इस्तेमाल किया जाता है। सांस्कृतिक मानदंड अक्सर यह तय करते हैं कि पुरुष आक्रामक, नियंत्रित करने वाले और प्रभावी होते हैं, जबकि महिलाएं विनम्र, अधीन और प्रदाताओं के रूप में पुरुषों पर निर्भर करती हैं। ये मानदंड एक प्रकार के दुरुपयोग की संस्कृति को बढ़ावा देते हैं। वहीं पारिवारिक, सामाजिक और सांप्रदायिक संरचनाओं का पतन और परिवार के भीतर महिलाओं की बाधित भूमिका अक्सर महिलाओं तथा लड़कियों को जोखिम में डालती है। इसके निवारण के लिए मुकाबला करने वाले रास्तों-तंत्रों के जोखिम एवं सीमा को उजागर करती है। लैंगिक समानता की राह में कई न्यायिक बाधाएं भी हैं। न्याय संस्थानों और तंत्रों तक पहुंच का अभाव हिंसा और दुर्व्यवहार के लिए दंड के भय की समाप्ति की संस्कृति उत्पन्न करती है। वहीं पर्याप्त और वहनीय कानूनी सलाह और प्रतिनिधित्व का अभाव भी है। इसके अलावा पीड़ित-उत्तरजीवी और गवाह सुरक्षा तंत्र का भी पर्याप्त अभाव है। अपर्याप्त न्यायिक ढांचा, जिसमें राष्ट्रीय, पारंपरिक, प्रथागत और धार्मिक कानून शामिल हैं, जो महिलाओं-लड़कियों के साथ भेदभाव करते हैं। *(ये लेखक के अपने विचार हैं)*

नेता अपनी-अपनी गणित के हिसाब से दावें कर कर रहे

अनिल शर्मा

दिल्ली दरबार के लिए हो रही जंग के नतीजों को लेकर दोनों बड़े दलों के ठिकानों पर चर्चा जोरों पर हैं। नेता अपनी-अपनी गणित के हिसाब से दावें करने में भी कोई कसर नहीं छोड़ रहे। ठिकानों पर हार्ड कोर वर्कर्स का एक गुट ऐसा भी है जो यह सब चुपचाप देख और सुन रहा है। वे नेताओं के बीच में बोलना भी मुनासिब नहीं समझते हैं। चूंकि उनको डांट-फटकार जो मिलती है। बेचारे चाय-पान की थड़ियों पर ही खुसर-फुसर करते हैं, लेकिन उससे पहले अगल-बगल में देखे बिना नहीं रहते। उनकी गणित नेताओं से अलग ही है। उनमें खुसर-फुसर है कि इस बार केवल दो ही गुट है। एक गुट वह है, जिसने सिर्फ नमोजी के नाम पर वोट डाला है, चाहे कंडीडेट कोई भी हो। दूसरा गुट वह जो नमोजी के खिलाफ है और उनसे नफरत करते हैं, जिसने उनके नाम से वोट नहीं डाला, चाहे कंडीडेट अपनी ही बिरादरी का क्यों ना हो।

असर बृहस्पति का

इन दिनों पंडितों के भी पौ-बारह हैं। जहां मन हो, वहीं पंचांग खोलकर बिना पूछे ही बताना शुरू कर देते हैं। न जगह देखते हैं और न ही समय। अब देखो ना, शुक्र को अपने परिचित की शोकसभा में पहुंचे पिंकसिटी वाले पंडित जी ने बिना आगा-पीछा सोचे ही आदत के अनुसार अपना मुंह खोलना शुरू दिया। आसपास बैठे कुछ लोगों ने भी उन्हें जोजरू के पेड़ पर चढ़ा दिया। पंडितजी कहना था कि दो मई से गुरु बृहस्पति बदला है तो अपना असर दिखाए बिना कोई कसर नहीं छोड़ेगा। जब-जब बृहस्पति केन्द्र में आता है तो पब्लिक नारों से नहीं विवेक से वोट देती है। बृहस्पति 1977 और 2004 के बाद ही 2024 में केन्द्र में आया है। बृहस्पति के असर से सब कुछ उल्टा पुलटा होता है, यानी कि जहां जीत दिखती है, वहां हार हो जाती है और जहां हार दिखती है, वहां जीत हो जाती है।

सूबे में दिल्ली दरबार के लिए वोटिंग के बाद ठाले बैठे भाई लोग कुछ न कुछ शगुफा छोड़े बिना नहीं रहते। शगुफा छोड़ने वाले भी दोनों तरफ के हार्डकोर वर्कर है। हर संडे से नया शगुफा शुरू होता है, जो शनि की रात तक चलता है। इस संडे को मोदी लहर को लेकर नया शगुफा आया। पीसीसी के ठिकानेदारों ने जोर-जोर से चिल्ला कर कहना शुरू कर दिया कि इस बार दूर-दूर तक मोदी लहर नहीं थी, पब्लिक केवल पार्टी और कंडीडेट को ढूंढ रही थी। इस बार भगवा वाली मैडम को यूज नहीं करना भी पब्लिक को अखर रहा था। शेखावाटी के साथ हाड़ोती और मेवाड़ में दस सीटों पर लहर बेअसर रही। भगवा वाले भाई लोगों को अभी भी मोदी लहर पर भरोसा है।

सूबे में इन दिनों एक जुमला जोरों पर है। जुमला भी छोटा-मोटा नहीं, बल्कि तपन को लेकर है। जुमले की चर्चा सचिवालय के गलियारों में भी हुए बिना नहीं रहती। चर्चा करने वाले भी भगवा वाले भाई लोगों के एक खास गुट के लोग ज्यादा है और एक खास बंगले में उनका पग फेरा है, जिनका पांच महीनों से हाजमा खराब है। जुमला है कि सूबे में 30 जून के बाद भारी बदलाव होने की पोसिबिलिटी है। किसी न किसी पर गाज गिर सकती है, अगर सीटें कम हुई तो एनडीए में सूबे की भगवा वाली मैडम ट्रंप कार्ड हो सकती है। और तो और ब्यूरोक्रेसी भी रिचार्ज होगी। यानी की तपती रेत और तपते रेगिस्तान में सत्ता की तपन भी महसूस हुए बिना नहीं रहेगी। इस जुमले को समझने वाले समझ गए, ना समझे वो अनाड़ी है। (ये लेखक के अपने विचार हैं।)

सू- दोकू क्र. 81

	2		6		8		3	
9		8		3		4		
							5	
5		2			7		6	
	8		4			1		3
				9				
8			9				1	
	5			1		6		2
		1	7				4	

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गो का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक र सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.80 का हल

2	6	3	8	1	4	9	7	5
9	5	4	2	6	7	3	1	8
8	7	1	9	3	5		6	2
6	2	7	5	4	8	4	3	9
3	9	8	6	7	1	2	5	4
4	1	5	3	2	9	6	8	7
5	3	2	4	8	6	7	9	1
1	8	6	7	9	2	5	4	3
7	4	9	1	5	3	8	2	6

आयुष्मान भारत की यात्रा

ममता सिंह

बीते तीस अप्रैल को प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना, जिसे आयुष्मान भारत योजना के नाम से भी जाना जाता है, के छह वर्ष पूरे हो गये। इस योजना के तहत आर्थिक रूप से कमजोर 50 करोड़ से अधिक लोगों को पांच लाख रुपये के सालाना स्वास्थ्य बीमा मुहैया करायी जा रही है। उल्लेखनीय है कि यह योजना दुनिया की ऐसी सबसे बड़ी बीमा योजना है। हमारे देश की आबादी का बहुत बड़ा हिस्सा गरीब और निम्न आय वर्ग का है। अत्यंत कम आमदनी या गरीबी के कारण गंभीर बीमारियों का इलाज करा पाना उनके लिए असंभव था। इस समस्या के समाधान के रूप में जन आरोग्य योजना लायी गयी थी। इस योजना के दायरे में 10।74 करोड़ से ज्यादा गरीब परिवार आते हैं।

यह योजना पूरी तरह से केंद्र सरकार द्वारा वित्त-पोषित है, लेकिन इसके लागू करने के खर्च को केंद्र और राज्य सरकारें मिलकर उठाती हैं। आयुष्मान भारत योजना के तहत पंजीकृत रोगियों के अस्पताल में भर्ती के खर्च को कैशलेस प्रक्रिया के जरिये उठाने का अधिकार भी राज्य सरकारों को है। इस योजना में बड़ी संख्या में सरकारी और निजी अस्पतालों की सहभागिता है, जहां लाभार्थी बेहतरीन उपचार हासिल कर सकते हैं। सरकार और अस्पतालों द्वारा इस योजना को लेकर जागरूकता बढ़ाने के लिए प्रचार तो होता ही है, साथ ही लाभार्थियों की समुचित देखभाल सुनिश्चित करने और जागरूकता प्रसार के लिए कर्मियों की एक नयी श्रेणी भी बनायी गयी है, जिन्हें आयुष्मान मित्र कहा जाता है। इस श्रेणी से जहां लाभार्थियों को सहयोग मिल रहा है, वहीं युवाओं के लिए रोजगार के अवसर भी सृजित हो रहे हैं।

भारत में संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम के एक वरिष्ठ अधिकारी अभिमन्यु सक्सेना ने कहा है कि इस योजना को न केवल एशियाई देशों, बल्कि दुनियाभर में लागू किया जा सकता है। आज के डिजिटल युग में स्वास्थ्य सेवा में तकनीक का इस्तेमाल लगातार बढ़ता जा रहा है। डिजिटल स्वास्थ्य प्रक्रिया से आयुष्मान भारत के लाभार्थियों को जोड़ने के लिए केंद्र सरकार ने आयुष्मान भारत डिजिटल हेल्थ मिशन की शुरुआत की है। इसके तहत एक विशेष पहचान पत्र निर्गत किया जा रहा है। सक्सेना ने रेखांकित किया है कि इस मामले में भारत कई देशों से आगे है क्योंकि यहां डिजिटल प्रक्रिया विकसित दौर में है। अब जानकारी और जागरूकता बढ़ाने पर ध्यान दिया जाना चाहिए।

फर्जी शपथपत्र देकर जमीन बेचने पर मां बेटे पर मुकदमा दर्ज

संवाददाता

देहरादून। फर्जी हस्ताक्षर कर शपथपत्र बनाकर जमीन बेचने के मामले में पुलिस ने न्यायालय के आदेश पर मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार गल्जवाडी निवासी मोहित ने न्यायालय में प्रार्थना पत्र देते हुए बताया कि वह गल्जवाडी में जिस सम्पत्ति पर रहता है उसमें श्रीमती कलावती व उसके पुत्र हिमांशू संयुक्त रूप से काबिज हैं। वह होटल में काम करता है इसके लिए वह शहर से बाहर रहता है तथा उसका भाई भी मुम्बई में रहता है।

जनवरी माह में जब वह दून आया और उसने तहसील में जाकर अपनी सम्पत्ति की खतौनी निकलवायी तब उसको पता चला कि कलावती व उसके बेटे ने उसके फर्जी हस्ताक्षर कर रजिस्ट्रार कार्यालय में जमा कर उसकी सम्पत्ति किसी अन्य को बेच दी है। न्यायालय के आदेश पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

चारधाम यात्रा की व्यवस्थाओं को लेकर ब्राह्मण महासभा ने भेजा राज्यपाल को पत्र

संवाददाता

देहरादून। चारधाम यात्रा की व्यवस्थाओं को लेकर अखिल भारतीय ब्रहामण महासभा ने राज्यपाल को पत्र भेज कुछ बिन्दूओं पर ध्यान देने की अपील की।

आज यहां अखिल भारतीय ब्राह्मण महासभा उत्तराखंड द्वारा ओ सी कलेक्ट्रेट शालिनी नेगी के माध्यम से राज्यपाल को ज्ञापन प्रेषित किया। ज्ञापन में उन्होंने कहा कि चार धाम यात्रा का शुभारंभ हो चुका है, जिसमें तीर्थ यात्री और भक्त जन प्रभु दर्शनार्थ के लिए संपूर्ण भारत से पहुंच रहे हैं। ब्राह्मण समाज ने मांग की है कि चारधाम यात्रा में मुख्य मार्गों में जल व्यवस्था, यात्रियों को ठहरने के लिए मुख्य मार्गो पर व्यवस्थाएं, चार धाम मंदिरो के आसपास प्लास्टिक का प्रतिबंध होना तथा दुकानों से मंदिरों में प्रसाद को चढ़ाने के लिए दुकानदारों को लूट करने से रोकने के साथ ही चार धाम यात्रियों को दर्शन के लिए समान व्यवस्थाएं देना, चार धाम यात्रा के यात्रियों के लिए मेडिकल व्यवस्थाएं होना, यात्रियों के लिए मुख्य मार्गों पर रेन बसेरा, यात्रियों के लिए पालकी और खचरों की अधिक व्यवस्थाएं, पैदल मार्ग में यात्रियों के लिए प्रकाश व्यवस्थाए के साथ ही हेलीकॉप्टर से यात्रियों की बुकिंग होने पर कैंसिल ना कराया जाए। अखिल भारतीय ब्राह्मण महासभा उत्तराखंड चारधाम के यात्रियों की सुखद एवम मंगलमय यात्रा के लिए शुभकामनाएं करती है। ज्ञापन देने वालों में लालचंद शर्मा, शशि शर्मा, पीयूष गॉड, विपुल नौटियाल, प्रभात डंडरियाल, अवनीश कांत शर्मा, राहुल, प्रमोद, सुभाष, उमेश जिंदल, विनोद बनोट मौजूद रहे।

शराब के साथ दो गिरफ्तार

संवाददाता

देहरादून। पुलिस ने शराब के साथ दो लोगों को गिरफ्तार कर उनके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर वाहन को सीज कर दिया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार ऋषिकेश कोतवाली पुलिस ने बंगाला नाला पुल श्यामपुर में एक मोटरसाईकिल सवार को रूकने का इशारा किया तो वह पुलिस को देख मोटरसाईकिल को तेजी से भगा कर ले गया। पुलिस ने पीछा कर उसको थोडी दूरी पर ही दबोच लिया। तलाशी लेने पर पुलिस ने मोटरसाईकिल में बंध कटटे से 110 पव्वे शराब के बरामद कर लिये। पूछताछ में उसने अपना नाम अजय राठौर पुत्र सतपाल राठौर निवासी बिशनपुर मंडी पथरी हरिद्वार बताया। वहीं ऋषिकेश कोतवाली पुलिस ने गुमानीवाला से एक व्यक्ति को 52 पव्वे शराब के साथ गिरफ्तार किया। जिसने अपना नाम रमेश साहनी पुत्र लक्ष्मी साहनी निवासी गुमानीवाला बताया। पुलिस ने दोनों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर वाहन को सीज कर दिया।

चरस के साथ गिरफ्तार

संवाददाता

देहरादून। पुलिस ने चरस के साथ एक को गिरफ्तार कर उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उसको न्यायालय में पेश किया जहां से उसको न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार सहसपुर थाना पुलिस ने जस्सोवाला पुल के पास एक मोटरसाईकिल सवार को रूकने का इशारा किया तो वह मोटरसाईकिल को तेजी से भगा ले गया। पुलिस ने पीछा कर उसको थोडी दूरी पर ही रोक लिया। तलाशी लेने पर पुलिस ने उसके कब्जे से 905 ग्राम चरस बरामद कर ली। पूछताछ में उसने अपना नाम अनिल कुमार पुत्र अर्जुन सिंह निवासी सपेरा बस्ती रिस्पना नेहरू कालोनी बताया। पुलिस ने उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उसको न्यायालय में पेश किया जहां से उसको न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया।

रजिस्ट्रेशन बंद होने से यात्री...

◀◀ पृष्ठ 1 का शेष

उनके लिए संभव नहीं होता है। खास बात यह है कि रजिस्ट्रेशन कब खुलेंगे इसकी जानकारी आम लोगों तक सही समय पर न पहुंचने के कारण लोग अभी भी हरिद्वार पहुंच रहे हैं और उन्हें यहां आकर पता चल रहा है कि रजिस्ट्रेशन तो 19 मई तक बंद रहेंगे। ऐसे में यात्रियों का परेशान होना स्वाभाविक है।

बालिका इंटर कॉलेज धारचूला के टॉपर्स हुए सम्मानित

कार्यालय संवाददाता

धारचूला। सामुदायिक पुस्तकालय के तत्वाधान में आयोजित प्रतिभा सम्मान समारोह में राजकीय बालिका इंटर कॉलेज धारचूला के टॉपर विद्यार्थियों को शुक्रवार को जिला पंचायत सदस्य पुरस्कार 2023 से सम्मानित किया गया। इस अवसर पर सामुदायिक पुस्तकालय तथा संडे क्लास की अवधारणा के बारे में जानकारी दी गई। विद्यार्थियों, अभिभावकों एवं शिक्षकों के साथ शैक्षिक वातावरण को और अधिक जिम्मेदार बनाने के लिए बातचीत की गई।

मुनस्यारी के जिला पंचायत सदस्य जगत मर्तोलिया द्वारा नगर में सामुदायिक पुस्तकालय के लिए जिला पंचायत बोर्ड से पांच लाख रुपए की धनराशि स्वीकृत कराया गया था।पुस्तकालय की समस्त सामाग्री यहां पहुंच गई है। विद्यार्थियों, अभिभावको एवं शिक्षकों को जोड़ने के लिए बालिका इंटर कॉलेज में सामुदायिक पुस्तकालय पर आज एक दिवसीय वर्कशॉप भी आयोजित किया गया।

सामुदायिक पुस्तकालय के जनक तथा जिला पंचायत सदस्य जगत मर्तोलिया द्वारा राजकीय बालिका इंटर कॉलेज के कक्षा 6 की कीर्तिका को 67 प्रतिशत अंक, कक्षा 7 की कुमारी विद्या को 68 प्रतिशत अंक, कक्षा 8 की कविता सामंत को 83 प्रतिशत अंक,कक्षा 9 की दीपा रावल को 72 प्रतिशत अंक ,कक्षा 10 की उषा बिष्ट को 73 प्रतिशत अंक, कक्षा 11 की प्राची ततवाल को 62 प्रतिशत अंक तथा कक्षा 12 की टॉपर दीक्षा महर को 80 अंक लाने पर जिला पंचायत सदस्य पुरस्कार 2023 के रूप में प्रशिक्षित पत्र तथा डिक्शनरी देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर टॉपर विद्यार्थियों तथा उनके अभिभावकों द्वारा अपनी सफलता की कहानी सभी विद्यार्थियों के बीच में रखी गयी। इस अवसर पर कमला नेहरू पुरस्कार वर्ष 2022-23 के लिए चयनित विद्यार्थियों को भी नगद धनराशि वितरित की गई।

विद्यालय की प्रधानाचार्या शकुंतला टम्टा ने कहा कि इस प्रकार की गतिविधियों से विद्यार्थियों का सर्वांगीण विकास होता है। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों के भीतर शिक्षा को समझने की ललक को पैदा करना आवश्यक है।

जिला पंचायत सदस्य जगत मर्तोलिया ने कहा कि सामुदायिक पुस्तकालय का उद्देश्य है कि विद्यार्थी तोता ना बने। वह अपने दिमाग का बखूबी से इस्तेमाल करना सीखे। उन्होंने कहा कि संडे क्लास बच्चों के भीतर झिझक को बाहर करने के लिए सबसे अच्छा अवसर देता है। उन्होंने बताया कि नगर में शीघ्र ही सामुदायिक पुस्तकालय शुरू होने को जा रहा है। उन्होंने क्षेत्र के शिक्षा क्षेत्र से जुड़े समस्त लोगों का आवाहन किया कि वे सामुदायिक पुस्तकालय की सफलता के लिए अपना योगदान दें।

अज्ञात वाहन की चपेट में आकर स्कूटी सवार भाई बहन घायल

संवाददाता

देहरादून। अज्ञात वाहन की चपेट में आकर स्कूटी सवार भाई बहन के घायल होने पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी। प्राप्त जानकारी के अनुसार 200 बीघा रायपुर निवासी निखिल खुगशाल अपनी बहन के साथ स्कूटी से बाजार से घर की तरफ जा रहा था। जब वह महाराणा प्रताप स्पोटर्स कालेज रोड पर पहुंचा तभी अज्ञात वाहन चालक ने तेजी व लापरवाही से आते हुए उसकी स्कूटी को टक्कर मार दी जिससे दोनों भाई बहन सडक पर गिरकर घायल हो गये।

स्मैक के साथ दो गिरफ्तार

संवाददाता

देहरादून। पुलिस ने स्मैक के साथ दो लोगो को गिरफ्तार कर उनके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उनको न्यायालय में पेश किया जहां से उसको न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार रायवाला थाना पुलिस ने इंटर कालेज के पास एक युवक को संदिग्ध अवस्था में घुमते हुए देखा तो उसको रूकने का इशारा किया। पुलिस को देख वह भाग खडा हुआ। पुलिस ने पीछा कर उसको थोडी दूरी पर ही दबोच लिया। तलाशी लेने पर पुलिस ने उसके कब्जे से छह ग्राम स्मैक बरामद कर ली। पूछताछ में उसने अपना नाम राम दुबे पुत्र शंकर दुबे निवाी इंटर कालेज के सामने बताया। वहीं कोतवाली पुलिस ने रेस्ट कैंप क्षेत्र से एक व्यक्ति को 8 ग्राम स्मैक के साथ गिरफ्तार किया। पूछताछ में उसने अपना नाम मुर्करम पुत्र सेलुमान निवासी ग्राम बेलडा सहारनपुर बताया। पुलिस ने दोनों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उनको न्यायालय में पेश किया जहां से उनको न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया।

प्रदर्शनी एवं चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन कल

संवाददाता

देहरादून। पुराना दरबार ट्रस्ट द्वारा पारंपरिक पहाडी स्थापत्य शैली पर आधारित प्रदर्शनी एवं चित्रकाला प्रतियोगिता का आयोजन कल किया जायेगा।

आज यहां पुराना दरबार ट्रस्ट के ट्रस्टी भवानी प्रताप सिंह पंवार ने परेड ग्राउंड स्थित एक क्लब में पत्रकारों से वार्ता करते हुए बताया कि 18 मई को अंतर्राष्ट्रीय संग्रहालय दिवस के अवसर पर पुराना दरबार ट्रस्ट उत्तराखण्ड संस्कृति विभाग, संस्कार भारती उत्तराखण्ड प्रांत, अखिल भारतीय साहित्य परिषद, महादेवी कन्या महाविद्यालय के द्वारा उत्तराखण्ड के इतिहास, साहित्य, संस्कृति, पुरातत्व, मानव विज्ञान, पारंपरिक पहाडी स्थापत्य शैली पर आधारित प्रदर्शनी एवं चित्रकला प्रतियोगिता तथा एक दिवसीय सेमिनार का आयोजन सुनिश्चित हुआ है जिसमें उत्तराखण्ड के इतिहास, संस्कृति, पुरातत्व, साहित्य आदि पर आधारित शोध पत्रों का वाचन भी किया जाएगा। उन्होंने बताया कि पुराना दरबार द्वारा उत्तराखण्ड की सांस्कृतिक धरोहरों की प्रदर्शनी भी लगायी जा रही है जिसमें टिहरी रियासत तथा उत्तराखण्ड की अमूल्य धरोहरों का प्रदर्शन भी किया जाएगा। इसी के साथ पुराना दरबार ट्रस्ट द्वारा पुरस्कार समारोह का शाम चार बजे आयोजन किया जायेगा। उन्होंने बताया कि विभिन्न क्षेत्रों में अविस्मरणीय योगदान हेतु अवार्ड भी प्रदान किये जाएंगे। उन्होंने बताया कि उत्तराखण्ड की संस्कृति पुरातत्व साहित्य इतिहास पारंपरिक चित्र मौला राम शैली, अल्मोडा शैली, ऐपन शैली से संबंधित चित्र बनाएं जायेंगे। चित्रकला प्रतियोगिता में 15 वर्ष के आयु के ऊपर के बच्चों के द्वारा भाग लिया जा रहा है। उन्होंने बताया कि कार्यक्रम के संयोजक डॉ. अर्चना डिमरी, श्रीमती कंचन गुनसोला, कृष्णानंद नौटियाल, नरेन्द्र सिंह रौथान, गौरव बर्थवाल, डॉ. मानवेंद्र सिंह बर्थवाल व चित्रकला प्रतियोगिता में निर्णायक मंडल में डॉ. ममता सिंह, डॉ हरिओम, डॉ. रचना पाण्डेय, तनवीर सिंह होंगे।

एक नजर

बिना पंजीकरण यात्री वाहनों की केदारनाथ मार्ग पर रहेगी एंट्री बंद

❑बैरियर लगाकर किये जा रहे हैं पंजीकरण चेक

हमारे संवाददाता

रूद्रप्रयाग। श्री केदारनाथ धाम में यात्रियों के बढ़ते दबाव के मद्देनजर अब पुलिस प्रशासन द्वारा बिना पंजीकरण कराये यात्री वाहनो की केदारनाथ मार्ग पर एंट्री बंद कर दी गयी है। पुलिस द्वारा अब केदारनाथ मार्ग पर बैरियर लगाकर चैकिंग की जा रही है।

केदारनाथ धाम यात्रा में अत्यधिक संख्या में श्रद्धालु एवं यात्री वाहन आ रहे हैं। केदारनाथ धाम के कपाट खुलने से लेकर पहले 7 दिनों में एक लाख अस्सी हजार से अधिक यात्री केदारनाथ धाम पहुंच चुके हैं व अत्यधिक संख्या में श्रद्धालु केदारनाथ धाम सहित, पैदल मार्ग एव रास्ते में हैं।

बताते चलें कि केदारनाथ धाम सहित यात्रा पड़ावों पर रुकने की एक निश्चित क्षमता है। जनपद में स्थित पार्किंगों की भी एक निश्चित क्षमता है। सबसे बड़ी बात कि सीतापुर व सोनप्रयाग स्थित पार्किंगों में किसी वाहन की एन्ट्री हो जाने के उपरान्त वाहन तीन दिन तक पार्किंग में ही रहता है। पार्किंग की एक निश्चित क्षमता होने तथा इससे निकासी काफी कम होने व बाहर से अत्यधिक संख्या में वाहनों के आने से यात्रा मार्ग पर अत्यधिक दबाव बढ़ रहा है। वाहनों के दबाव को कम किये जाने हेतु जनपद की चौकी जवाड़ी बाई पास पर बाहर से आने वाले वाहनों की चेकिंग की जा रही है।

बद्रीनाथ धाम की तरफ जा रहे वाहनों को मुख्य बाजार रुद्रप्रयाग होते हुए जाने दिया जा रहा है, केदारनाथ धाम की ओर जाने वाले वाहनों में निर्धारित तिथि का पंजीकरण होने पर ही यात्रियों/वाहनों को जाने दिया जा रहा है। कतिपय यात्री वाहन बिना पंजीकरण के ही जनपद में आ रहे हैं ऐसे वाहनों की जनपद के केदारनाथ धाम के लिए एन्ट्री बिल्कुल बन्द कर दी गयी है तथा पंजीकरण के उपरान्त निर्धारित तिथि को ही केदारनाथ धाम यात्रा पर आने के लिए बताया जा रहा है।

स्वयं पुलिस अधीक्षक रुद्रप्रयाग ने गत दिवस एवं आज भी चौकी जवाड़ी पर बनायी गयी व्यवस्थाओं का निरीक्षण कर सम्बन्धित प्रभारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिये गये हैं।

पश्चिम बंगाल में बिजली गिरने से 11 लोगों की मौत

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के मालदा जिले में गुरुवार को अलग-अलग स्थानों पर आकाशीय बिजली की चपेट में आने से कम से कम 11 लोगों की मौत हो गई। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने लोगों की मौत पर दुख व्यक्त किया और शोक संतप्त परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त की।

एक अधिकारी ने बताया कि आकाशीय बिजली गिरने से 11 लोगों की मौत हुई है। कई घायल लोगों का विभिन्न अस्पतालों में इलाज जारी है। उनमें से कुछ की हालत गंभीर है। जिला प्रशासन ने मृतकों के परिवारों के लिए दो-दो लाख रुपये के मुआवजे की घोषणा की है। ममता बनर्जी ने सोशल मीडिया साइट श्एक्सश पर अपनी पोस्ट में कहा कि मैं उन परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त करती हूं जिन्होंने मालदा में आकाशीय बिजली के कारण अपने प्रियजनों को खो दिया। मैं घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करती हूं।

पुलिस ने बताया कि मृतकों में मणिचक थाना क्षेत्र निवासी दो नाबालिग और माला थाना क्षेत्र के साहापुर निवासी तीन लोग शामिल हैं। हरीशचंद्रपुर के एक खेत में काम कर रहे दंपती की भी आकाशीय बिजली गिरने से मौत हो गई। वहीं दो अन्य लोग गजोल थाना क्षेत्र के अदीना और रतुआ थाना क्षेत्र के बालूपुर के रहने वाले थे। पुलिस के मुताबिक, आकाशीय बिजली की चपेट में आकर जान गंवाने वाले बाकी लोग इंग्लिशबाजार और मणिचक थाना क्षेत्र के निवासी थे।

चारधाम यात्रा की लगातार मॉनिटरिंग करें अधिकारी: सीएम

संवाददाता

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने अधिकारियों को निर्देश दिये कि चारधाम यात्रा की लगातार मॉनिटरिंग करे तथा रजिस्ट्रेशन के अनुसार ही श्रद्धालुओं को यात्रा की अनुमति दें।

आज यहां मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सचिवालय में चारधाम यात्रा व्यवस्थाओं की समीक्षा करते हुए चारधाम यात्रा से जुड़े जनपदों के जिलाधिकारियों से विभिन्न व्यवस्थाओं का फीडबैक लिया। मुख्यमंत्री ने चारधाम यात्रा से जुड़े सभी विभागों के सचिवों को निर्देश दिये हैं कि वे लगातार चारधाम यात्रा मार्गों पर अपने विभागों से संबंधित सभी व्यवस्थाओं को देंखे और विभागों के उच्चाधिकारियों को भी मौके पर भेजें। उन्होंने कहा कि यात्रा व्यवस्थाओं में सभी अधिकारी चारधाम यात्रा से जुड़े जनपदों के जिलाधिकारी और एसपी का पूरा सहयोग करें। यात्रा व्यवस्थाओं में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जायेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि रजिस्ट्रेशन के अनुसार ही श्रद्धालुओं को चारधाम यात्रा पर भेजा जाए। ऑफलाईन

❑रजिस्ट्रेशन के अनुसार ही श्रद्धालुओं को चारधाम यात्रा की दें अनुमति

रजिस्ट्रेशन को फिलहाल स्थगित रखा जाय। मुख्यमंत्री ने जिलाधिकारी रूद्रप्रयाग से केदारनाथ यात्रा के बारे में जानकारी ली। जिलाधिकारी रूद्रप्रयाग सौरभ गहरवार ने अवगत कराया कि श्री केदारनाथ में यात्रा सुचारू रूप से चल रही है। आज अभी तक श्री केदारनाथ में 11 हजार श्रद्धालु दर्शन कर चुके हैं, पैदल मार्ग से 8 हजार यात्री दर्शन के लिए गये हैं। उन्होंने कहा कि सीसीटीवी कैमरों के माध्यम से यात्रा मार्ग पर वाहनों के आवागमन की व्यवस्थाओं की कंट्रोल रूम से निगरानी की जा रही है। यातायात प्रबंधन के लिए यात्रा मार्ग पर पर्याप्त पुलिस बल की व्यवस्था की गई है।

जिलाधिकारी उत्तरकाशी डॉ. मेहरबान सिंह बिष्ट ने गंगोत्री और यमुनोत्री धाम की यात्रा के बारे में जानकारी देते हुए कहा कि आज गंगोत्री धाम में 11 हजार और यमुनोत्री धाम में 10 हजार श्रद्धालुओं के दर्शन करने की संभावना है। श्रद्धालुओं के लिए जिन स्थानों पर ठहराव की व्यवस्था की गई वहां पर सभी मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। जिलाधिकारी चमोली हिमांशु खुराना ने कहा कि श्री बद्रीनाथ में यात्रा सुचारू रूप से चल रही है। आगामी सप्ताह में अवकाश के दृष्टिगत श्रद्धालुओं की संख्या में वृद्धि के दृष्टिगत भी सभी व्यवस्थाएं की जा रही हैं। बैठक में प्रमुख सचिव श्री आर. के सुधांशु, सचिव अरविन्द सिंह ह्यांकी, डॉ. पंकज कुमार पाण्डेय, सचिन कुर्वे, गढ़वाल कमिश्नर विनय शंकर पाण्डेय, सचिव एस.एन. पाण्डेय, विशेष सचिव डॉ. पराग मधुकर धकाते, महानिदेशक सूचना बंशीधर तिवारी, जिलाधिकारी देहरादून श्रीमती सोनिका, एसएसपी अजय सिंह, वर्चुअल माध्यम से डीजीपी अभिनव कुमार, जिलाधिकारी हरिद्वार धीराज गर्ब्याल उपस्थित थे।

ट्रक खाई में गिरा, ड्राइवर की मौत

हमारे संवाददाता

देहरादून। ऋषिकेश-बदरीनाथ राष्ट्रीय राजमार्ग पर हिमतोली से ऋषिकेश आ रहे एक ट्रक के खाई में गिर जाने से जहां ड्राइवर की मौके पर ही मौत हो गई वहीं कडंक्टर मामूली रूप से घायल हुआ है। सूचना मिलने पर एसडीआरएफ टीम ने मौके पर पहुंच कर घटनास्थल से ट्रक ड्राइवर की शव को बरामद कर उसे स्थानीय पुलिस की सुपुर्दगी में दे दिया है। एसडीआरएफ ब्यासी प्रभारी एस आई नीरज चौहान ने बताया कि आज सुबह एक ट्रक ऋषिकेश-बदरीनाथ राष्ट्रीय राजमार्ग पर हिमतोली से ऋषिकेश आ रहा था। कौड़ियाला से आगे ट्रक दुर्घटनाग्रस्त होकर 100 मीटर नीचे गहरी खाई में गिर गया। जहां पर ड्राइवर की मौके पर ही मौत हो गई। मृतक ड्राईवर का नाम जगमोहन सिंह निवासी कर्णप्रयाग है। वहीं कंडक्टर जो कि ही ट्रक का मालिक है, जिसका नाम चंदन सिंह पुत्र दरमान सिंह निवासी कर्णप्रयाग का रहने वाला है ठीक अवस्था में है जो ट्रक से बाहर छिटक गया था।

तेज रफ्तार कार ने तीन को कुचला, एक की मौके पर मौत

हमारे संवाददाता

देहरादून। डोईवाला क्षेत्र से एक तेज रफ्तार कार का कहर सामने आया है यहां हरिद्वार से डोईवाला की ओर आ रही तेज रफ्तार कार ने तीन लोगों को टक्कर मार दी। जिनमें से एक महिला की मौके पर ही मौत हो गयी है। सूचना मिलने पर पुलिस ने कार चालक सहित दो लोगों को गिरफ्तार कर लिया है।

जानकारी के अनुसार बीते शाम हरिद्वार की ओर से आ रही एक कार ने पहले छिद्दरवाला के पास दो लोगों को टक्कर मारी। जिसमें एक पीआरडी जवान और एक महिला को गम्भीर रूप से घायल हो गये। जिसके बाद वह कार डोईवाला की ओर जा निकली। जब यह कार लालतप्पड़ के पास पहुंची तो चालक ने कार को शेरगढ़ की ओर मोड़ दिया। जिसके बाद गुरुद्वारे के पास खेत से आ रही एक महिला को भी रौंद डाला। जहां महिला की मौके पर ही मौत हो गई। माजरी ग्रांट के उप प्रधान रामचंद्र ने बताया कि नशे की हालत में कार सवार दो लोगों ने शेरगढ़ गांव की कुसुम देवी पत्नी रामदयाल को रौंद दिया। जिसकी मौके पर ही मौत हो गई। परिजनों ने

आरोपियों के खिलाफ लापरवाही से गाड़ी चलाने पर डोईवाला कोतवाली में तहरीर दी है। डोईवाला कोतवाल प्रभारी निरीक्षक विनोद गुसाईं ने बताया कि छिद्दरवाला में जिन दो लोगों को टक्कर मारी थी, वो सभी लोग ठीक हैं, लेकिन शेरगढ़ निवासी एक महिला की टक्कर के बाद मौत हो गई।

आरोपियों के खिलाफ विभिन्न धाराओं में मामला पंजीकृत कर गिरफ्तार कर लिया गया है। आरोपियों का नाम पंकज कुमार शर्मा पुत्र नानक चंद शर्मा निवासी खन्ना नगर, ज्वालापुर हरिद्वार और मनोज कुमार पुत्र राजपाल सिंह त्यागी निवासी गणेश विहार, सीतापुर, ज्वालापुर हरिद्वार बताये जा रहे है।

आर.एन.आई.- 59626/94

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती पुष्पा कांति कुमार द्वारा दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग घंटाघर, देहरादून से प्रकाशित तथा अवि प्रिंटर्स 21 ईसी रोड, देहरादून से मुद्रित।

प्रधान संपादक
कांति कुमार

संपादक
पुष्पा कांति कुमार

समाचार संपादक
आनंद कांति कुमार

कानूनी सलाहकार:
वी के अरोड़ा, *एडवोकेट*
बैजनाथ, *एडवोकेट*

कार्यालय: दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग देहरादून।
मो. 9358134808

नोट: सभी विवादों के लिये देहरादून न्यायालय ही मान्य होगा, प्रकाशित सामग्री के लिए प्रिंटर्स की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।